संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 121
पृष्ठ 8
शनिवार
18 जनवरी 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य- 1.00

प्रयागराज से प्रकाशित | Email : shaharsamta@gmail.com | Website : https://Shaharsamta.com | सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- मुख्य दरवाजे पर भूलकर....
विचार- राहुल का संघ पर....
खेल- बीसीसीआई ने १० सूत्री....

पीएम मोदी ने किया ऑटो एक्सपो का उद्घाटन, कहा-

बेहतरीन और भविष्योन्मुख है भारतीय ऑटो उद्योग

● पिछले साल में लगभग 12प्रतिशत की दर से आगे बढ़ी ऑटो इंडस्ट्री

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग को बेहतरीन और भविष्योन्मुख बताते हुए शुक्रवार को कहा कि कई कारक हैं, जो ऑटो क्षेत्र को गति देने का काम कर रहे हैं। श्री मोदी ने यहां भारतमंडपम में 'भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो' का शुभारंभ करते हुए कहा कि हम एक ऐसी गतिशीलता प्रणाली पर काम कर रहे हैं, जो अर्थव्यवस्था और पारिस्थितिकी का समर्थन कर सके। उन्होंने कहा कि ऑटो सेक्टर के विकास के लिए आवश्यकता और आकांक्षा दोनों की आवश्यकता होती है। भारत में दोनों ही जीवंत हैं। आने वाले कई दशकों तक भारत दुनिया का सबसे युवा देश बनने जा रहा है। यही युवा आपके ग्राहक हैं, क्योंकि वे बहुत बड़ी मांग पैदा करते हैं। आपका दूसरा ग्राहक मध्यम वर्ग है। एक ऐसी प्रणाली की जरूरत है, जो जीवाश्म ईंधन के आयात पर हमारे बिल को कम कर सकती है इसलिए, आज भारत हरित प्रौद्योगिकी, ईवी, हाइड्रोजन ईंधन और जैव ईंधन के विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। श्री मोदी ने कहा कि विकसित भारत की यात्रा, मोबिलिटी सेक्टर के भी अभूतपूर्व ट्रांसफॉर्मेशन की, कई गुना विस्तार की यात्रा होने वाली है। गतिशीलता को बढ़ावा देने वाले कई कारक हैं, जैसे युवाओं की आबादी। मध्यम वर्ग में लगातार वृद्धि। शहरीकरण में वृद्धि। आधुनिक बुनियादी ढाँचा। मेक इन इंडिया के ज़रिए किफायती वाहन। उन्होंने कहा कि ऑटो उद्योग के विकास में मेक इन इंडिया पहल ने बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। मेक इन इंडिया पहल को पीएलआई योजना से बढ़ावा मिला है। इस योजना ने 2.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बिक्री में मदद की है। इस योजना ने ऑटो सेक्टर में 1.5 लाख से

अधिक प्रत्यक्ष रोजगार सृजित किए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि यात्रा को आसान बनाना भारत की बड़ी प्राथमिकता है। पिछले बजट में अवसंरचना के विकास के लिए 11 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का प्रावधान किया गया था। आज हम मल्टी लेन और हाईवे का जाल बिछा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोबिलिटी से जुड़े 7सी के तहत हमारे मोबिलिटी सॉल्यूशन ऐसे हों, जो कमान,कनेक्टेड, कन्वेनिएंट, कन्जेशन मुक्त, चार्ज्ड, क्लीन ओर कटिंग ऐज होनी चाहिए। ऐसी टेक्नोलॉजी के विकास पर हमारा काफी फोकस है। ऑटोमोटिव उद्योग इनोवेशन ड्राइवन और टेक्नोलॉजी ड्राइवन भी है। इनोवेशन हो, टेक हो और स्किल हो या फिर मांग हो। आने वाला समय पूर्व का है, एशिया का है, भारत का है। उन्होंने कहा कि आज का भारत आकांक्षाओं से भरा हुआ है, युवा ऊर्जा से भरा हुआ है। यही आकांक्षाएं हमें भारत की ऑटोमोटिव इंडस्ट्री में दिखाई देती है। बीते साल में भारत की ऑटो इंडस्ट्री करीब 12 प्रतिशत की ग्रोथ से आगे बढ़ी है। मेक इन इंडिया, मेक फॉर वर्ल्ड के मंत्र पर चलते हुए अब निर्यात भी बढ़ रहा है। श्री मोदी ने कहा, "पिछली बार जब मैं आपके बीच आया था, तब लोकसभा के चुनाव ज्यादा दूर नहीं थे। उस दौरान मैंने आपके सबके विश्वास के कारण कहा था कि अगली बार भी श्भारत मोबिलिटी एक्सपोश में जरूर आऊंगा। देश ने तीसरी बार हमें आशीर्वाद दिया, आप सभी ने मुझे यहां बुलाया, इसके लिए मैं आप सभी का आभार व्यक्त करता हूं।" उन्होंने कहा कि इस वर्ष भारत मोबिलिटी एक्सपो का दायरा काफी बढ़ गया है। पिछली बार 800 से ज्यादा प्रदर्शक ने हिस्सा लिया, 1.5 लाख से ज्यादा लोगों ने विजिट किया। इस बार भारत मंडपम के साथ–साथ द्वारका के यशोभूमि और ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर में भी ये एक्सपो चल रहा है। आने वाले 5–6 दिनों में बहुत बड़ी संख्या में लोग यहां आएंगे। अनेक नई गाड़ियां भी यहां लॉन्च होने वाली हैं। ये दिखाता है कि भारत में मोबिलिट के भविष्य को लेकर कितनी सकारात्मकता है। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, एच डी कुमारस्वामी, पीयूष गोयल, मनोहर लाल और जीतनराम मांझी भी मौजूद थे।

द्रौपदी मुर्मु ने गुकेश सहित चार खिलाड़ियों को खेल रत्न पुरस्कार से किया सम्मानित

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को विश्व शतरंज चौंपियनशिप विजेता ग्रैंडमास्टर डी गुकेश और पेरिस ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली महिला निशानेबाज मनु भाकर सहित चार खिलाड़ियों को खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में श्रीमती मुर्मु ने विभिन्न स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न, अर्जुन और द्रोणाचार्य पुरस्कारों से सम्मानित किया। सबसे पहले शतरंज में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया। इसके बाद ओलिंपिक में दो पदक जीतने वाली महिला निशानेबाज मनु भाकर, हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह और पैरा एथलीट प्रवीण कुमार को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया। इसके अलावा राष्ट्रपति ने अन्नू रानी को एथलेटिक्स, स्वीटी को मुक्केबाजी, वंतिका

अग्रवाल को शतरंज, सलीमा टेटे, अभिषेक संजय, जरमनप्रीत सिंह और सुखजीत सिंह को हॉकी में, राकेश कुमार को (पैरा–तीरंदाजी), प्रीति पाल (पैरा एथलेटिक्स)अजित सिंह, सचिन सरजेराव खिलारी (पैरा एथलेटिक्स) और धर्मबीर (पैरा एथलेटिक्स), प्रणव सूरमा (पैरा एथलेटिक्स), एच होकातो सेमा (पैरा एथलेटिक्स), सिमरन (पैरा एथलेटिक्स), नवदीप (पैरा एथलेटिक्स),नितेश कुमार (पैरा बैडमिंटन) को, थुलासिमाती मुरुगेसन (पैरा बैडमिंटन), नित्या श्री सुमाथी सिवान (पैरा बैडमिंटन), मनीषा रामदास (पैरा बैडमिंटन), कपिल परमार (पैरा जूडो) और मोना अग्रवाल (पैरा निशानेबाजी) को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया। सुभाषा राणा (पैरा निशानेबाजी नियमित वर्ग), दीपाली देशपांडे (निशानेबाजी नियमित वर्ग), संदीप सांगवान (हॉकी नियमित वर्ग),एस मुरलीधरन (बैडमिंटन लाइफटाइम वर्ग) और अरमांडो एगनेलो कोलाको (फुटबॉल (लाइफटाइम वर्ग) के द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सुचा सिंह (एथलेटिक्स) और मुरलीकांत राजाराम पेटकर (पैरा तैराक) को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिये अर्जुन पुरस्कार (लाइफटाइम) पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

अलका लांबा ने शराब नीति संबंधी बयान को लेकर आतिशी पर किया हमला

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता एवं कालकाजी विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार अलका लांबा ने शराब नीति को लेकर दिये गये बयान के लिए मुख्यमंत्री आतिशी पर जोरदार प्रहार किया है और कहा है कि भ्रष्ट एवं अस्थायी मुख्यमंत्री फ़िर से शराब नीति लाना चाहती हैं। श्रीमती लांबा ने शुक्रवार को सोशल

मीडिया मंच एक्स पर लिखा, "भ्रष्ट आम आदमी पार्टी की "अस्थायी मुख्यमंत्री" का मानना है कि दिल्ली में "शराब नीति" दुबारा लागू होनी चाहिए – एक के बाद एक शराब की दुकानें खोलने में , एक के साथ एक शराब की बोतल बेचने में – शराब पीने के लिए उम्र को 25 से घटा कर 21 कर युवा पीढ़ी को नशे में धकेल कर आम आदमी पार्टी (आप) ने सही किया।" उन्होंने कहा, "क्या "मेरी दिल्ली" वाले भी यही चाहते हैं??? दुःख और चिंता इस बात की भी है कि यह बात एक महिला मुख्यमंत्री कह रही है , विरोध करने की बजाय एक कठपुतली बन धोखेबाज श्री अरविन्द केजरीवाल के दबाव में कह रही है।" ग़ौरतलब है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में कालकाजी सीट पर श्रीमती लांबा, श्रीमती आतिशी और भारतीय जनता पार्टी के नेता रमेश बिधूड़ी आमने–सामने है।

बसपा ने दिल्ली की 69 सीटों पर उतारे प्रत्याशी

नयी दिल्ली, एजेंसी। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने शुक्रवार को दिल्ली विधानसभा चुनाव में 70 सीटों में से 69 पर प्रत्याशियों की घोषणा कर दी। बसपा ने यहां जारी उम्मीदवार सूची में दिल्ली के 69 विधानसभा क्षेत्रों में प्रत्याशियों की घोषणा कर दी। पार्टी ने बाबरपुर विधानसभा से उम्मीदवार नहीं उतारा है। पार्टी ने महत्वपूर्ण नयी दिल्ली सीट से वीरेंद्र, कालकाजी से पीतम, जंगपुरा से रविंद्र कुमार और करोल बाग (सुरक्षित) रणजीत कुमार गंगवाल को चुनाव मैदान में उतारा है। दिल्ली विधानसभा चुनावों के लिए मतदान पांच फरवरी होगा और मतगणना आठ फरवरी को होगी।

महाकुंभ मेला, 2025 : कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए 28 फरवरी तक निषेधाज्ञा जारी

प्रयागराज, एजेंसी। महाकुंभ मेला, 2025 की अवधि के दौरान आयोजित होने वाले विभिन्न उत्सवों और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं को देखते हुए तथा जिले में कानून व्यवस्था में किसी भी संभावित व्यवधान को रोकने के लिए सक्षम प्राधिकारी द्वारा 28 फरवरी तक निषेधाज्ञा पारित की गई है। शुक्रवार को एक आधिकारिक संचार में, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, प्रयागराज ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 (जिसे भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 भी कहा जाता है) की धारा–163 के तहत निषेधाज्ञा की घोषणा की। घोषणा में निर्दिष्ट किया गया हैरू श्आने वाले दिनों में विभिन्न धर्मों/संप्रदायों के त्योहार जैसे महाकुंभ 2025/अमृत स्नान, जननायक कर्पूरी ठाकुर जन्म दिवस, गणतंत्र दिवस, मौनी अमावस्या, बसंत पंचमी, संत रविदास जयंती, माघी पूर्णिमा, वेलेंटाइन डे, शब– ई–बारात, महाशिवरात्रि, अन्य त्योहार और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी।"

महिलाओं को 2500 प्रतिमाह, एलपीजी सिलेंडर पर 500 की सब्सिडी

दिल्ली के लिए बीजेपी ने खोला वादों का पिटारा

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने नई दिल्ली में दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा का संकल्प पत्र भाग – I लॉन्च किया। जेपी नड्डा ने कहा कि आज जो बिंदु मैं रखने वाला हूं, ये विकसित दिल्ली का आधार रखने वाले हैं। दिल्ली को किस तरह से आगे बढ़ाया जाए, उन बिंदुओं पर आज हम चर्चा करेंगे। मेनिफेस्टो पहले भी आते थे, लेकिन आप भी भूल जाते थे और राजनीतिक पार्टियां भी भूल जाती थी कि उन्होंने क्या कहा था। लेकिन ये राजनीतिक संस्कृति का परिवर्तन है कि आज मेनिफेस्टो 'संकल्प पत्र' में परिवर्तित हो गया है। संकल्प से सिद्धि की ओर जाने का मंत्र भी हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने दिया है। महिलाओं को हर महीने 2500 प्रतिमाह देने का भी वादा बीजेपी ने अपने मेनिफेस्टो में किया है। इसके साथ ही एलपीजी सिलेंडर पर 500 रुपए की सब्सिडी दी जाएगी। वहीं होली और दीवाली पर एक एक सिलेंडर मुफ्त में

दिए जाएंगे। गर्भवती महिलाओं को 21 हजार रुपए की सहायता दी जाएगी। जेपी नड्डा ने कहा कि दिल्ली में जो जन कल्याण की योजनाएं चल रही हैं, वो सारी योजनाएं भाजपा की सरकार बनने पर भी जारी रहेंगी। उन सभी योजनाओं का ज्यादा कारगर तरीके से सुदृढ़ीकरण किया जाएगा और उन्हें भ्रष्टाचार से मुक्त भी किया जाएगा। हमने गरीब कल्याण, सुशासन, गुड गवर्नेंस, महिला सम्मान, विकास, युवाओं और किसानों का सशक्तिकरण और मजदूर वर्ग को मुख्य धारा में लाने को अपना वइरमबजपअम बनाया और आज मुझे खुशी है कि नीति आयोग के अनुसार 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकल आए हैं। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी का संकल्प पत्र विकसित दिल्ली की नींव रखने वाला है। उन्होंने कहा कि युवा, मजदूर महिला, व्यापारी सहित समाज के सभी वर्गों से बात कर संकल्प पत्र तैयार किया गया है। आप सरकार वर्तमान में बिजली और पानी पर सब्सिडी देती है और साथ ही उसने महिलाओं के लिए डीटीसी बसों में यात्रा मुफ्त कर रखी है। हाल ही में उसने सत्ता में वापस लौटने पर महिला सम्मान योजना के तहत हर महिला को प्रतिमाह 2,100 रुपये देने की घोषणा की।

छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड में सत्रह नक्सली ढेर

छत्तीसगढ़, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले और तेलंगाना के संयुक्त अभियान में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में 17 नक्सली ढेर हो गए है। बीजापुर में गुरुवार सुबह करीब नौ बजे से शुरू हुई मुठभेड़ आज खत्म हो गई। घटना स्थल से जवानों की टीम वापसी कर रही है। पुजारी कांकेर और मारुडबाका के जंगलो में हुई मुठभेड़ में 17 नक्सली ढेर हुए हैं जिसमें से 12 के शव बरामद भी कर लिए गए हैं। वहीं डीआरजी का एक जवान घायल भी हुआ है। 1100 से ज्यादा सुरक्षाकर्मी बीजापुर, सुकमा और दंतेवाड़ा के डीआरजी के जवान भी शामिल हैं इस अभियान का हिस्सा थे। इसके अलावा, कोबारा बटालियन के सीआरपीएफ जवानों का भी इस ऑपरेशन में सहयोग रहा। मुठभेड़ का यह इलाका तेलंगाना राज्य की सीमा से सटा हुआ है। दरअसल, बीजापुर और तेलंगाना की सीमा पर तीन जिलों के नक्सलियों के खिलाफ जवान बड़ा ऑपरेशन चला रहे हैं। गुरुवार को सुरक्षाकर्मियों की एक संयुक्त टीम नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी।

दिल्ली में फिलहाल नहीं लागू होगी आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना, हाईकोर्ट के आदेश पर एससी ने लगाई अंतरिम रोक

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने श्प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (पीएम–एबीएचआईएम) योजना को लागू करने के लिए केंद्र सरकार के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने का दिल्ली सरकार को निर्देश देने वाले दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश पर शुक्रवार को रोक लगा दी। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने दिल्ली सरकार की ओर से दायर याचिका पर रोक संबंधी यह आदेश पारित किया। पीठ ने इस मामले में केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर जवाब–तलब किया। दिल्ली के सभी सात भारतीय जनता पार्टी के सांसदों ने आयुष्मान भारत योजना के कार्यान्वयन के लिए निर्देश देने की मांग करते हुए उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। इसी आधार पर दिसंबर, 2024 के उच्च न्यायालय के दिल्ली सरकार को निर्देश दिया था। शीर्ष अदालत के समक्ष इस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर दिल्ली सरकार का पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता ए एम सिंघवी ने दलील दी, "उच्च न्यायालय मुझे (दिल्ली सरकार) केंद्र सरकार के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर करने के लिए कैसे मजबूर कर सकता है।" उन्होंने आगे कहा कि उच्च न्यायालय ने दिल्ली सरकार की शक्तियों को फिर से परिभाषित किया है। उसने केंद्र सरकार के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर किया है। इस योजना में भारत सरकार को 60 फीसदी पूंजीगत व्यय और दिल्ली सरकार को 40 फीसदी देना अनिवार्य किया गया है। दिल्ली की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने दिसंबर, 2024 के उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी, जिसमें केंद्र के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को राष्ट्रीय राजधानी में आयुष्मान भारत योजना को लागू करने के लिए पांच जनवरी तक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने का निर्देश दिया गया था। अदालत ने कहा कि जब 33 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश पहले ही इस योजना को लागू कर चुके हैं, तो इसका कार्यान्वयन नहीं करना उचित नहीं होगा।

अदालत ने 2008 में चक्का जाम करने के मामले में सजा के खिलाफ आजम खान की अपील खारिज की

मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश),एजेंसी। मुरादाबाद जिले की सांसद–विधायक अदालत ने समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता आजम खान की अपील ख़ारिज कर दी है। छजलैट में यातायात अवरुद्ध करने के मामले में निचली अदालत द्वारा सुनाई गयी सजा के ख़िलाफ़ यह अपील दायर की गयी थी। एक अधिवक्ता ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पूर्व मंत्री

आज़म खान वर्ष 2008 में छजलैट पुलिस थाना क्षेत्र में चक्का जाम करने के मामले में विशेष सांसद–विधायक अदालत द्वारा सुनाई गयी दो साल की सजा के बाद सीतापुर जेल में बंद हैं। अदालत ने इसी मामले में उनके बेटे अब्दुल्ला आजम को भी दो साल की सज़ा और तीन हज़ार रुपये जुर्माने से दंडित किया था। अदालत ने बृहस्पतिवार को मुरादाबाद की निचली अदालत द्वारा पहले लगाई गई दो साल की कैद और तीन हज़ार जुर्माने को बरकरार रखा। यह मामला 2008 की एक घटना से जुड़ा है, जब आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम पर छजलैट पुलिस थाने के बाहर सड़क जाम करने का आरोप लगाया गया था।

सरकार बनने पर छात्रों को बसों में मुफ्त सफर और दिल्ली मेट्रो में रियायत मिलेगी : केजरीवाल

नयी दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को कहा कि दिल्ली में उनकी पार्टी की सरकार बनने पर महिलाओं के साथ–साथ सभी छात्रों का भी बस में सफर बिल्कुल मुफ्त होगा और मेट्रो के किराये में भी उन्हें रियायत दी जाएगी। श्री केजरीवाल ने कहा कि सभी जानते हैं कि आम आदमी पार्टी की सरकार सबसे ज्यादा शिक्षा को तवज्जो देती है, क्योंकि पढ़ेंगे, तभी देश आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि ऐसे बहुत गरीब बच्चे हैं, जिनकी स्कूल और कॉलेज जाने के लिए पैसे नहीं होने के कारण शिक्षा छूट जाती है। एक सबसे बड़ा एलान कर रहा हूं कि आम आदमी

पार्टी की सरकार बनने पर छात्रों को भी बस में मुफ्त सफर की सुविधा दी जाएगी। महिलाओं के लिए पहले से ही बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा है। उन्होंने कहा, "दिल्ली के अंदर बहुत सारे छात्र स्कूल और कॉलेज जाने के लिए मेट्रो का इस्तेमाल करते हैं। मेट्रो दिल्ली की लाइफलाइन है, लेकिन मेट्रो बहुत महंगी हो गई है। एक आम छात्र के लिए उसे वहन करना मुश्किल हो गया है। मेट्रो दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार का 50–50 वेंचर है। इसका फायदा और नुकसान दोनों सरकारों के बीच में 50–50 शेयर होता है। मैंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर कहा है कि हमें मेट्रो में छात्रों को 50 फीसद की रियायत देनी चाहिए। साथ ही, रियायत देने के कारण जो खर्चा आएगा, उसे दिल्ली और केंद्र सरकार के बीच में 50–50 के अनुपात में शेयर किया जाए। यह बिल्कुल जनहित का मामला है। इसमें कोई राजनीति नहीं है और ना ही राजनीति होनी चाहिए।" श्री केजरीवाल ने कहा, "मैं उम्मीद करता हूं कि हमारे बच्चों और युवाओं के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मेरी इस अपील को जरूर स्वीकार करेंगे।

आईआईटी वाले बाबा अभय सिंह ने छोड़ा महाकुंभ, मिलने वालों की लग रही थी भारी भीड़

प्रयागराज। प्रयागराज महाकुंभ में श्री पंचदशनाम जूना अखाड़े में धूनी रमाने वाले आईआईटी बाबा ने महाकुंभ छोड़ दिया है। वह अज्ञात स्थान पर चले गए हैं। आश्रम के संतों को भी नहीं पता है कि वह कहां पर गए हैं। गुरुवार रात उन्हें तलाशते हुए उनके माता–पिता भी जूना अखाड़े के 16 मढ़ी आश्रम पहुंचे, लेकिन तब तक वो जा चुके थे। आश्रम के संतों के अनुसार बाबा अभय सिंह लगातार मीडिया को इंटरव्यू दे रहे थे, जिससे उनका मानसिक तनाव बढ़ रहा था। उन्होंने मीडिया में कुछ ऐसी बातें भी कहीं, जो विवाद का कारण बन गईं। इसके चलते ही उन्होंने आश्रम को छोड़ने का फैसला लिया। उनका मोबाइल नंबर भी बंद चल रहा है। उनसे मिलने के लिए पहुंचने वाले श्रद्धालुओं और मीडिया कर्मियों को निराशा हाथ लग रही है। आईआईटीयन बाबा अभय सिंह हरियाणा के झज्जर के रहने वाले हैं। उनके पिता कर्ण सिंह एडवोकेट हैं। झज्जर बार एसोसिएशन के प्रधान भी रह चुके हैं। अभय ने आईआईटी बॉम्बे से एयरोस्पेस इंजीनियरिंग की है। इसके बाद कनाडा जाकर एरोप्लेन बनाने वाली कंपनी में काम किया। इसके बाद अचानक वह देश लौटे और कुछ समय बाद घर से गायब हो गए। महाकुंभ से जब उनकी वीडियो वायरल हुई तो परिवार को पता चला। हालांकि, अब वे इस बारे में ज्यादा बात नहीं करना चाहते। इंजीनियर बाबा के नाम से इंटरनेट पर वायरल हो रहे अभय सिंह का दावा है कि वे भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बॉम्बे (IIT-B) के पूर्व छात्र हैं। उन्होंने वहां से एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में बीटेक किया है। अभय सिंह मूल रूप से हरियाणा से आते हैं। उन्होंने अपने अनोखे अंदाज से महाकुंभ में लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा है।जूना अखाड़े से जुड़े अभय सिंह चित्र और आरेखों की मदद से जटिल आध्यातिमक अवधारणाओं को सरल तरीके से श्रद्धालुओं को समझाते हैं। बाबा अभय सिंह ने आईआईटी से श्भक्तिश की राह पर आने के अपने सफर के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि उनका जन्म हरियाणा के झज्जर में हुआ था। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा वहीं की, इसके बाद वे जेई की तैयारी करने लगे। इसके बाद वे एयरोस्पेस इंजीनियरिंग के लिए मुंबई आईआईटी गए। जहां उनके जीवन ने अलग–अलग मोड़ लिए। उन्होंने बताया कि आईआईटी से जब में एयरोस्पेस इंजीनियरिंग कर रहा था तो मुझे लगता था कि यही सब कुछ है। बाद में जब मैं अध्यात्म की ओर अग्रसर हुआ तो अब मुझे लगता है कि असली साइंस यही है। अभय सिंह का कहना है कि इंजीनियरिंग के दौरान उनका खासा झुकाव ह्युमिनिटी की ओर था। इस बाबत उन्होंने दर्शन से जुड़े अलग–अलग ग्रंथों और दार्शनिकों को पढ़ा। इस दौरान उनकी डिजाइनिंग में भी रुचि बढ़ी। जिसके चलते उन्होंने दो सालों तक डिजाइनिंग भी सीखी। बाद में उन्होंने काफी समय तक फोटोग्राफी करने वाली एक कंपनी में भी काम किया, लेकिन कुछ समय बाद वहां से भी उनका मन उचाट हो गया। इस दौरान वे डिप्रेशन में चले गए। जिससे निकलने के लिए वे कनाडा में काम करने भी गए। जहां उन्होंने नौकरी भी की। जहां उनकी सैलरी तीन लाख प्रति महीने थी. उसके बाद सैलरी में इजाफा भी हुआ। हालांकि वहां भी उनका मन नहीं लगा। बाद में कोरोना के दौरान वे भारत आ गए। इसके बाद उन्होंने दर्शन से जुड़े विषयों का अध्ययन शुरू किया और अपने जीवन के सार समझने की कोशिश शुरू की। अब उनका कहना है कि उन्होंने अपना जीवन भगवान के समर्पित कर दिया है। भक्ति में उनको वो सुकून मिल रहा है जो वे खोज रहे थे। बाबा अभय सिंह कहते हैं कि श्अध्यात्मश केवल एक व्यक्तिगत या अलग–थलग खोज नहीं है। यह वह सार है जो भारत के संपूर्ण सांस्कृतिक और आध्यात्मिक ताने–बाने को बांधता है।

संगम में डुबकी लगाए बिना लौटीं लॉरेन जॉब्स, टूटा कल्पवास

प्रयागराज। विश्व के सबसे बड़े सांस्कृतिक आयोजन के रूप में संगम की रेती पर महाकुंभ का हिस्सा बनने आईं अमेरिका की अरबपति महिला लॉरेन पॉवेल जॉब्स कल्पवास बीच में ही छोड़ दिया है। तीन दिन वह अपने गुरु कैलाशानंद के शिविर में संन्यासिनी वेश में रहीं। वह संगम में डुबकी भी नहीं लगा सकीं।

इस बीच राष्ट्रपति ट्रंप के शपथ समारोह में हिस्सा लेने के लिए वह अमेरिका रवाना हो गई हैं। अमेरिका के अरबपति कारोबारी स्टीव जॉब्स की पत्नी लॉरेन पॉवेल जॉब्स महाकुंभ में कल्पवास के लिए पहुंच गई हैं। उनके गुरु निरंजनी अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद ने उनको कल्पवास के लिए महाकुंभ में कमला नया नाम दिया है। कमला पौष पूर्णिमा पर प्रथम डुबकी के साथ कल्पवास आरंभ करेंगी। लॉरेन पॉवेल जॉब्स ने सेक्टर–नौ में कैलाशानंद के शिविर में रहकर सनातन परंपरा के कठिन अनुशासन के तौर पर सिर्फ तीन दिन कल्पवास किया। महाकुंभ के दौरान वह सादगी भरा जीवन बिताते हुए संगम की रेती पर जहां सनातन की संस्कृति से परिचित हुईं, वहीं कल्पवासी महिलाओं के साथ भजनों पर भक्तिभाव में मगन भी नजर आईं। सेक्टर नौ में ही कल्पवासी महिलाओं के शिविरों में उन्होंने ढोल, झाल पर झूमती–थिरकती रहीं।

तीन महंत सहित छह को पड़ा दिल का दौरा, आईसीयू में भर्ती, एक की मौत

प्रयागराज। महाकुंभ में संगम स्नान को आए तीन महंतों सहित छह श्रद्धालुओं को दिल का दौरा पड़ गया। उन्हें सेक्टर दो स्थित केंद्रीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इन सभी को बृहस्पतिवार की दोपहर अस्पताल के आईसीयू वार्ड शिफ्ट किया गया। वहीं, राजस्थान के एक श्रद्धालु की हार्ट अटेक से मौत हो गई। केंद्रीय अस्पताल में भर्ती होने वालों में जूना अखाड़े के महंत नारायण गिरि, जूना अखाड़े के महंत बसंत भारती, जूना अखाड़े के महंत तारा गिरि हैं। इसके अलावा दो अन्य श्रद्धालुओं में में प्रतापगढ़ की सुनीता देवी (38) और फतेहपुर आनंद कुलभूषण मिश्रा (70) को हार्ट अटैक के बाद केंद्रीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, सेक्टर 19 में अपने साथी सुखराम दास के साथ रुके राजस्थान शिवाना के मदनदास (55) के सीने में भोर में तीन बजे के करीब दर्द उठा। साथी सुखराम ने मेले के मेडिकल स्टोर से इन्हेलर लाकर दिया। कुछ देर आराम मिलने के बाद सुबह फिर से सांस लेने में परेशानी पर उन्हें सेक्टर 20 स्थित उप केंद्रीय अस्पताल में लाया गया। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उप केंद्रीय अस्पताल के प्रमुख अधीक्षक डॉ. संदीप श्रीवास्तव ने बताया कि अस्पताल पहुंचने से पहले उनकी मौत हो चुकी थी।

17 देशों के 200 विदेशी त्रिवेणी के तट पर करेंगे कल्पवास, गंगा स्नान के साथ शुरू होगी दिनचर्या

प्रयागराज। महाकुंभ नगर। महाकुंभ में दुनिया भर के 17 देशों के विदेशी श्रद्धालु त्रिवेणी के तट पर कल्पवास करेंगे। गंगा स्नान के साथ उनकी दिनचर्या शुरू होगी। वह न केवल ध्यान लगाएंगे, बल्कि यज्ञ, हवन, योगा, ध्यान, गंगा आरती और सुबह–शाम कथा में भी शामिल होंगे।

सनातन को ठीक से जानने, समझने के लिए गंगा तट पर धुनी जमाएंगे। गंगा के तट पर परमार्थ निकेतन के शिविर में 52 वीआईपी कमरे, 48 टेंट लगाएं गए हैं। यहां कमरे की ऑनलाइन बुकिंग अमेरिका, लंदन, स्पेन, कनाडा, फ्रांस, पुर्तगाल समेत कई देशों के करीब 200 से अधिक विदेशियों ने की है। उनका आना भी शुरू हो गया है। वह परमार्थ निकेतन के स्वामी चिदानंद सरस्वती के साथ ही मुरारी बापू, धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री से रूबरू होंगे। 20 फरवरी तक महाकुंभ में इनका प्रवास होगा।

पंडित नेहरू को देखने के लिए बेकाबू हुई भीड़, भगदड़ में एक हजार से अधिक लोगों की हुई मौत

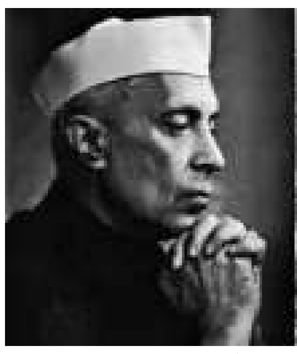

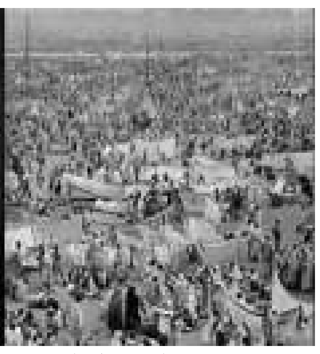

प्रयागराज। आजादी के बाद पहले कुंभ की भीड़ में मची भगदड़ की डरावनी यादें आज भी बुजुर्गों को सताती हैं। तीन फरवरी 1954 के कुंभ शामिल होने वाले लोगों ने बताया कि भीड़ के पैरों तले दबकर हुई मौतों के बीच से जिंदा बच कर निकले लोग बदन पर बिना कपड़ों के ही पैदल घर पहुंचे थे। कुछ ने वहां पड़े फटे–पुराने कपड़ों को लपेटा तो कुछ ने महुआ के पत्तों से तन ढका। चायल तहसील के जवाहरगंज गांव निवासी तीर्थराज सिंह (87) बताते हैं कि देश की आजादी के बाद 1954 में प्रथम कुंभ मेला आयोजन किया गया था। मौनी अमावस्या पर संगम स्नान के लिए गांव के बड़े बुजुर्गों के साथ वह एक दिन पहले पैदल निकले थे। उस दौरान उनकी उम्र 16 साल थी। घर से भूना हुआ चना, लाई, गुड़, सत्तू की गठरी सिर पर लाद कर भोर में इलाहाबाद पहुंचे थे। भीड़ के रेले में वह सभी बड़ी जद्दोजहद के बाद रेत से भरी बोरियों के घाट तक पहुंच पाए थे। पगड़ी, कुर्ता उतार संगम स्नान के बाद वह सभी बांध पार कर कहीं आराम से बैठ लाई चना चबाने की आपस में बात कर थे। तभी प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के आने से भीड़ का रेला उन्हें देखने के लिए उमड़ पड़ा और भगदड़ मच गई। श्रद्धालु जान बचाने के लिए इधर उधर भागने लगे। इस दौरान सिर से जमीन पर गिरी गठरी और भीड़ की रगड़ में खुल चुकी धोती को जिसने भी झुक कर उठाने का प्रयास किया। वह भीड़ के पैरों तले दबकर उठ नहीं सका। धोती खुलने से लोग बिना कपड़ों के ही जान बचाने के लिए इधर–उधर भाग रहे थे। गठरी का तो कहीं अता–पता ही नहीं था। किसी तरह वहां से भूखे–प्यासे बिना कपड़े के ही नंगे बदन वह पैदल घर के लिए निकल लिए थे। रास्ते में पड़े फटे–पुराने कपड़ों और महुआ के पत्तों को कमर पर लपेट कर घर पहुंचे। तीन दिन बाद रेडियो पर सुना कि कुंभ के भगदड़ में भीड़ के पैरों तले दब कर हजारों श्रद्धालुओं की मौत हो गई है। भखंदा गांव निवासी पारसनाथ (90) भी 70 साल पहले मौनी अमावस्या पर नहाने संगम गए थे। उन्होंने बताया कि भगदड़ में वह साथियों से बिछड़ गए थे। तीन दिन बाद घर लौटे थे। इस दौरान परिजनों ने घर में खाना–पीना छोड़ दिया था। तीसरे दिन घर में लौटने पर परिजन को जान में जान आई थी। तीर्थराज और पारसनाथ का कहना है कि प. नेहरू के देखने के चक्कर में ही 54 में भगदड़ मची थी। इस बार भी बताया जा रहा है कि सरकार महाकुंभ के दौरान कैबिनेट की बैठक करेगी। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और होने वाली परेशानियों को ध्यान रखते हुए ऐसे आयोजनों से बचना चाहिए।

2750 कैमरों से भीड़ को नियंत्रित कर रहा ICCC, अब तक सात करोड़ श्रद्धालु कर चुके हैं संगम में स्नान

प्रयागराज। विश्व के सबसे बडे आयोजन महाकुंभ में 13 जनवरी पौष पूर्णिमा से स्नान शुरू है। छह दिनों के भीतर सात करोड़ लोग संगम में डुबकी लगा चुके हैं। सबसे ज्यादा साढ़े तीन करोड़ लोगों ने मकर संक्रांति पर डुबकी लगाई है। अधिकारियों की माने तो इस बार महाकुंभ में 45 करोड़ से भी ज्यादा लोग आएंगे। इतनी बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा महाकुंभ पुलिस के लिए बड़ी चुनौती है। हालांकि, मेला क्षेत्र में स्थापित इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) क्राउड मैनेजमेंट में वरदान साबित हो रहा है। इसके माध्यम से न सिर्फ मेला क्षेत्र में आ रही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को कंट्रोल करने में मदद मिल रही है बल्कि कई तरह के सर्विलांस में भी यह मददगार बन रहा है। महाकुम्भ के पहले दिन पौष पूर्णिमा स्नान पर्व और मकर संक्रांति के अमृत स्नान पर भारी भीड़ को सुनियोजित तरीके से नियंत्रित करने में आईसीसीसी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आईसीसीसी के प्रभारी एसपी अमित कुमार ने बताया कि यहां पर 2750 कैमरे इंस्टॉल किए गए हैं, जिनके माध्यम से न सिर्फ मेला क्षेत्र में बल्कि पूरे शहर क्षेत्र पर नजर रखी जा रही है। तीन तरफ से भीड़ की निगरानी की जा रही है। पहली सिक्योरिटी, दूसरी क्राउड मैनेजमेंट और तीसरी क्राइम। उन्होंने बताया कि हमारे पास जो कैमरे हैं उनसे हम सर्विलांस, क्राउड मैनेजमेंट और फायर सर्विलांस जैसे तमाम बिंदुओं पर नजर रख पा रहे हैं। क्राउड मैनेजमेंट के लिए हम लोग क्राउड फ्लो को मॉनिटर कर रहे हैं कि किस तरफ से कितना क्राउड आ रहा है और इसको किस प्रकार से रेगुलेट करना है। क्राउड फ्लो के माध्यम से यह जानने की कोशिश करते हैं की भीड़ का दबाव कहां ज्यादा है और हम उसको वहां से किस ओर मूव कर सकते हैं। यह काफी कारगर तकनीक है। हमें यहां से रेगुलर निगरानी करनी पड़ती है कि कहीं किसी एक स्थान पर भीड़ का घनत्व तो ज्यादा नहीं हो गया है। अमित कुमार ने बताया कि इसके अलावा हम कैमरों से फायर सर्विलांस भी कर रहे हैं। कहीं धुआं या आग की लपट तो नहीं है। इसके अलावा पार्किंग का भी इसके जरिये सर्विलांस किया जा रहा है। हर पार्किंग में कैमरे लगाए गए हैं जो बताते हैं कि कौन सी पार्किंग कितनी खाली या भरी है। जब कोई पार्किंग भर जाती है, फिर हम उसको बंद करके अगली वाली पार्किंग एक्टिवेट करते हैं। सबसे पहले हम सबसे पास की पार्किंग को भरते हैं जिससे स्नानार्थियों को कम से कम चलना पड़े। इसके बाद हम उससे आगे की ओर बढ़ते हैं। उन्होंने बताया कि सात मुख्य मार्ग हैं जो प्रयागराज को अन्य शहरों से जोड़ते हैं, उसको देखते हुए सभी दिशाओं में इस तरह की पार्किंग की व्यवस्था की गई है। एआई कैमरा की उपयोगिता पर उन्होंने कहा कि एआई कैमरों से निर्णय लेने में काफी मदद मिलती है, लेकिन हम पूरी तरह इन पर डिपेंड नहीं है। यह हमारी क्षमता को निश्चित रूप से बढ़ाते हैं, क्योंकि इससे पहले इतना बड़ा क्राउड कंट्रोल नहीं किया गया था। हमारी फोर्स की अपनी इंस्टीट्यूशन ट्रेनिंग है, लेकिन अगर इसको हम डाटा बेस्ड और एविडेंस बेस्ड रखें तो वह हमें अपनी स्किल को और बेहतर करने में मदद करती है। उन्होंने बताया कि पूरे मेला क्षेत्र में चार आई ट्रिपल सी है। यदि कहीं एक जगह कोई प्रॉब्लम आती है तो आपात स्थिति में दूसरी यूनिट को उपयोग में लाया जा सकता है। इनके बीच बेहतर कनेक्टिविटी है और सभी जगह से मॉनिटरिंग संभव है। उन्होंने बताया कि मेला क्षेत्र में जितने भी क्रिटिकल और सेंसिटिव एरिया हैं वहां पर कैमरे इंस्टॉल किए गए हैं। जितने भी घाट हैं, प्रमुख सड़कें हैं, पुल है, सभी जगह कैमरे लगाए गए हैं क्योंकि यहीं से हमें ये जानकारी मिलेगी कि कहां पर भीड़ का मूवमेंट कितना है। खासतौर पर संगम पर कैपेसिटी कितनी है, ताकि हम इस पर काम कर सकें। एक और चीज यह भी है कि हमें पता है कि इस तरह के आयोजनों में लोग कैसे इकट्ठा होते हैं। पूरे शहर में एक ही क्राउड डेंसिटी नहीं होती है। घाट पर भीड़ ज्यादा होती है और पीछे कम होती है। इसमें भी हमको हमारी लर्निंग का फायदा मिलता है। रियल टाइम बेसिस के आधार पर की जाती है भीड़ की गिनती महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं की एआई बेस्ड कैमरे की मदद से भीड़ की गिनती करने में भी मदद मिलती है। ड्रोन और कैमरों की मदद से भीड़ के घनत्व, वाहनों की संख्या के आधार पर अनुमान लगाया जाता है। भीड़ की गिनती करने के लिए स्पेशल टीम बनाई गई है। इस टीम का नाम क्राउड एसेसमेंट टीम है। रियल टाइम बेसिस के आधार पर यह टीम मेले में आने वाले लोगों की गिनती कर रही है। एआई बेस्ड कैमरों से भीड़ की फेस रीडिंग की जाती है। फेस स्कैन के माध्यम से यह अनुमान लगाया जाता है कि कितनी देर में कितने लाख श्रद्धालु मेले में पहुंचे। पूरे मेला क्षेत्र में 1800 से अधिक कैमरे लगाए गए हैं।

मीडिया सेंटर में कोबरा निकलने से मचा हड़कंप, दो दिन पहले भी निकल चुके थे नागराज

प्रयागराज। महाकुंभ में काली मार्ग पर बने मीडिया सेंटर में शुक्रवार को कोबरा सर्प निकलने से अफरातफरी मच गई। तमाम मीडियाकर्मी भागकर सड़क पर आ गए। जानकारी मिलने पर अधिकारियों ने सांप को पकड़वाकर सुरक्षित स्थान पर छोड़वाया। दो दिन पहले भी एक कोबरा सर्प निकल चुका था। जिसके बाद मीडियाकर्मी दहशत में थे। शुक्रवार को नेशनल मीडिया के कैंटीन की तरफ से एक विशाल कोबरा सर्प निकला। मीडिया कर्मियों के रहने के लिए बनाए गए टेंट की तरफ पहुंच गया। इसी बीच किसी कि नजर पड़ी तो उसने वहां पर मौजूद कर्मचारियों की इसकी जानकारी दी। देखते ही देखते वहां पर भीड़ जमा हो गई। कोबरा निकलने की सूचना पर लोग भागकर बाहर आ गए। बाद में सांप को पकड़ा गया। तीन दिनों के भीतर दो बार कोबरा निकलने के बाद मीडिया सेंटर में लोग दहशत में आ गए हैं।

महोत्सवों पर महाकुंभ... रेती पर तीन अखाड़ों ने बनाए 23 महामंडलेश्वर

प्रयागराज। संगम की रेती पर बृहस्पतिवार को तीन अखाड़ों में दो महिलाओं समेत 23 महामंडलेश्वर बनाए गए। जूना अखाड़े में गुजरात के प्रसिद्ध नाना भाई भरवार समाज के रामानंद गिरि उर्फ रामबाबूको महामंडलेश्वर बनाया गया। गर्गाचार्य मुचकुंद

पीठाधीश्वर स्वामी महेंद्रानंद गिरि ने गुजरात की मनीषा नंद गिरि और स्नेहानंद गिरि को महामंडलेश्वर बनाया। यह दोनों महिलाएं 20 वर्ष से संन्यासिनी बनकर रह रही थीं। यह दोनों महिलाएं जूना अखाड़ा की महामंडलेश्वर स्वामी जय अंबा गिरि की प्रेरणा से संन्यास में आईं। महामंडलेश्वर पद पर पट्टाभिषेक सेक्टर – 16 स्थित गर्गाचार्य शिविर में हुआ। इस दौरान श्रीपंच दशनाम जूना अखाड़ा के संरक्षक महंत हरि गिरि,जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि,जगदगुरु गर्गाचार्य महेंद्रानंद गिरि,महामंडलेश्वर स्वामी जय अंबे समेत कई संत मौजूद थे। महामंडलेश्वर स्वामी जय अंबे का कहना था कि महिलाओं के सनातन धर्म में आने से जहां सननातन के प्रचार– प्रसार को गति मिलेगी, वहीं दूसरी ओर महिलाएं शास्त्र को पढ़कर परिवार, समाज और देश को नई दिशा देंगी। इसी तरह सनातन धर्म को मजबूत करने और प्रचार प्रसार के लिए मेला क्षेत्र के सेक्टर –16 संगम लोवर मार्ग पर किन्नरों को महामंडलेश्वर पद पर पट्टाभिषेक किया गया। पहले दिन बृहस्पतिवार को को किन्नर अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी के सानिध्य में संन्यास दीक्षा की प्रक्रिया शुरू हुई। इस दौरान 11 आचार्यो की देखरेख में पिंडदान के बाद संन्यास धारण कराया गया। किन्नर अखाड़ा में जिन लोगों के संन्यास की प्रक्रिया शुरू हुई, उसमें यूपी के काशी, वृंदावन, तमिलनाडु, राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश सहित अन्य प्रदेश के संत हैं। किन्नर अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने बताया कि अभी 18 लोगों को महामंडलेश्वर, महंत सहित अन्य पदों की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। इसके बाद देश और विदेश के लोगों को भी किन्नर अखाड़ा में जिम्मेदारी दी जाएगी जिससे कि सनातन धर्म का प्रचार प्रसार हो सके। इस दौरान पुरुष, महिला और किन्नर सभी को अखाड़ा में शामिल किया जाएगा। इसी तरह पंच दशनाम नागा संन्यासी महानिर्वाणी अखाड़ा में दो संतों को महामंडलेश्वर बनाया गया। निर्वाण पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर सदा शिवेंद्रानंद और अटल पीठाधीश्वर स्वामी विश्वात्मानंद की मौजदगी में पट्टाभिषेक हुआ। इस मौके पर अखाड़े के सचिव रवींद्रपुरी महाराज, सचिव यमुना पुरी महाराज उपस्थित थे।

10 हजार किमी की पैदल यात्रा करके महाकुंभ पहुंचे अक्षत, 11 महीने 27 दिन में पहुंचे प्रयागराज

प्रयागराज। प्रयागराज के महाकुंभ में साधु–संन्यासियों की तरह ही श्रद्धालुओं की दुनिया भी अनोखी है। कोई दंडवत करते हुए पहुंच रहा है तो कोई पैदल ही। बिहार के अक्षत तो 11 महीने 27 दिन की पैदल यात्रा करके महाकुंभ में अमृत स्नान करने पहुंचे हैं। महाकुंभ में पहुंचने के लिए अक्षत ने 10 हजार किलोमीटर की पैदल यात्रा की। अभी तक वह दो धाम और छह ज्योतिर्लिंग की यात्रा पूरी कर चुके हैं। महाकुंभ में पांच दिनों तक घूमने के बाद वह अगले पड़ाव पुणे के लिए निकलेंगे। भारत की विविधताओं को नजदीक से जानने की कामना ने अक्षत के मन में पैदल यात्रा का संकल्प पैदा किया। बिहार के वैशाली जिले के पटेरी बेलसर गांव के रहने वाले अक्षत सिंह ने भारत भ्रमण के लिए बैंक, रेलवे और कर्मचारी चयन आयोग की नौकरी भी छोड़ दी। अक्षत ने बताया कि उन्होंने जब नौकरी छोड़कर भारत भ्रमण की तैयारी शुरू की तो माता–पिता ने विरोध किया। मैंने उनको समझाया और उन्होंने मुझे इसकी अनुमति दे दी। 11 महीने 27 दिन पहले मैंने अपने गांव से पैदल यात्रा शुरू की थी। अभी तक मैं 10 हजार किलोमीटर पैदल चल चुका हूं। सबसे पहले मैंने बाबा बैद्यनाथ का दर्शन किया। इसके बाद नागेश्वर, सोमनाथ,ओंकारेश्वर, महाकालेश्वर, त्र्यंबकेश्वर के साथ ही जगन्नाथपुरी और द्वारिका की भी यात्रा की। अभी तक मैंने दो धाम और छह ज्योतिर्लिंग की यात्रा पूरी कर ली है। अक्षत ने बताया कि वह पैदल यात्रा की शुरुआत सुबह आठ बजे से करते हैं। सर्दियों में तो शाम को चार बजे तक और गरमी में शाम को छह बजे तक पैदल चलते हैं। मंदिर और धर्मशाला में रात बिताने के बाद वह अगले पड़ाव की ओर निकलते हैं। रोज वह 35 किलोमीटर पैदल चलने का लक्ष्य लेकर चलते हैं। किसी दिन यह कम या ज्यादा भी हो जाता है। महाकुंभ में 14 जनवरी को मकर संक्रांति का अमृत स्नान करना था इसलिए हर रोज 18 किलोमीटर ज्यादा पैदल चले। रात में पहुंचे और गंगा स्नान भी कर लिया। अब पांच दिनों तक महाकुंभ मेले में पैदल यात्रा करेंगे। अक्षत का कहना है कि उनके पिता रविंद्र सिंह किसान हैं और माता सावित्री देवी गृहणी हैं। विज्ञान से स्नातक अक्षत ने भारत भ्रमण के लिए तीन–तीन नौकरियां छोड़ दीं। अक्षत का कहना है कि मुझे पूरे देश को देखना था। भारत जैसी विविधता तो पूरी दुनिया में कहीं नहीं है। खाना, संस्कृति, कला और भाषा की विविधताएं अद्भुत हैं। अभी तो जॉबलेस हूं लेकिन मैं खुद को जॉबलेस नहीं मानता हूं। मैंने पर्यटन को ही अपना जॉब बनाने का निर्णय लिया है। मुझे नौ से पांच वाली नौकरी नहीं करनी है।

महाकुंभ नगर के त्रिवेणी मार्ग पर केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों एवं विभागों द्वारा प्रदर्शनी का आयोजन

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की डिजिटल प्रदर्शनी में एनामॉर्फिक वाल, एलईडी टीवी स्क्रीन, एलईडी वाल, होलोग्राफिक सिलेंडर के माध्यम से विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदर्शित हो रही है

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना की डिजिटल प्रदर्शनी के साथ षि एवं किसान कल्याण मंत्रालय एवं प्रकाशन विभाग के स्टाल भी लगाये गये हैं

महाकुंभ नगर, । महाकुंभ प्रयागराज के त्रिवेणी मार्ग पर केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों एवं विभागों द्वारा प्रदर्शनी लगाई गई है। इस प्रदर्शनी क्षेत्र में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा भारत सरकार की उपलब्धियों, योजनाओं, नीतियों और लोक कल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी आमजन को प्रदान करने के लिए लगाई गई डिजिटल प्रदर्शनी पंडाल में ही राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना की डिजिटल प्रदर्शनी के साथ कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय एवं प्रकाशन विभाग के स्टाल भी लगाये गये हैं। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की डिजिटल प्रदर्शनी में एनामॉर्फिक वाल, एलईडी टीवी स्क्रीन, एलईडी वाल, होलोग्राफिक सिलेंडर के माध्यम से विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदर्शित हो रही है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की डिजिटल प्रदर्शनी में बाढ़, अगजनी, भूकंप, शीतलहर, जंगल की आग एवं अन्य प्राकृतिक एवं मानव जन्य होने वाली आपदाओं से बचाव के उपाय डिजिटल माध्यम से बताए एवं प्रदर्शित किये जा रहे हैं। प्रधानमंत्री इंटर्नशिप की डिजिटल प्रदर्शनी विभिन्न कम्पनियों, उपक्रमों, में प्रधानमंत्री इंटर्नशिप प्राप्त करने की प्रक्रिया बतायी जा रही है।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के प्रकाशन विभाग के स्टाल पर महत्वपूर्ण विषयों एवं महापुरुषों के जीवन पर आधारित पुस्तकें उपलब्ध हैं। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के स्टालों पर मिलेट्स उत्पाद एवं सब्जी बीज भी उपलब्ध हैं। महाकुंभ में आने वाले हजारों की संख्या में लोग इन और स्टालों का अवलोकन कर रहे है। दर्शक इन प्रदर्शनियों में प्रदर्शित चित्रों, चलचित्रों के माध्यम से दी जा रही जानकारी की सराहना कर रहे हैं और डिजिटल प्रदर्शनी को सूचना एवं शिक्षाप्रद बता रहे है। महाकुंभ नगर, त्रिवेणी मार्ग प्रदर्शनी परिसर में लगाई गई यह प्रदर्शनियां 26 फरवरी 2025 तक आमजन के अवलोकन के लिए निःशुल्क खुली रहेगी।

मध्य प्रदेश संस्कृत विभाग के पंडाल में मनमोहन प्रस्तुतियां हुई

प्रयागराज। भक्ति की पराकाष्ठा और श्रीराम के पद पखारने के केवट हठ के आगे समर्पित श्रीराम द्वारा पांव पखारने की अनुमति देने के मार्मिक तथा रामचरित मानस में वर्णित प्रसंग को दर्शाने वाले लीलानाट्य की मन को छू लेने वाली भक्ति की तलस्पर्शी प्रसंग– आल्हा गायन की भातृ प्रेम को दर्शाने वाली आल्हा गायकी बुन्देली भक्ति गायन, बुन्देली युद्धशैली को दर्शाने वाला अखाड़ा, भील जनजाति की जीवन्त जीवन शैली का प्रतीक भगौरिया नृत्य की प्रस्तुतियों ने लोकपर्व, की चतुर्थ सांस्कृतिक संध्या को भव्यता प्रदान किया। मध्यपदेश संस्कृति विभाग द्वारा 'लोक पर्व' के अन्तर्गत आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का शुभारम्भ निषादराज गुह की भक्ति की पराकाष्ठा और प्रभुश्रीराम द्वारा गुह को गले लगाने के प्रसंग से हुआ। बुन्देली युद्ध कला का प्रतीक अखाड़ा प्रदर्शन, बुन्देली भक्ति संगीत की मनभावन प्रस्तुति तथा भील जनजाति के मांगलिक अवसरों पर होने वाले भगौरिया नृत्य की मनोरम छटा ने दर्शको को भरपूर मनोरंजित किया। लोकपर्व के अन्तर्गत श्रीराम के 36 गुणों पर आधारित प्रदर्शनी भी श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रही हैं।

गंगानाथ झा परिसर में भरद्वाज जयन्ती समारोह का आयोजन

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गङ्गानाथ झा परिसर तथा आरोग्य भारती, विश्व आयुर्वेद मिशन एवं प्रयाग विद्वत् परिषद् के संयुक्त तत्वावधान में महर्षि भरद्वाज जयन्ती समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्यातिथि माननीय न्यायमूर्ति सुधीर नारायण एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. राजकिशोर अग्रवाल तथा श्री नागेन्द्र जायसवाल रहे। अतिथियों का स्वागत गंगानाथ झा परिसर की प्रो. अपराजिता

मिश्रा, विभागाध्यक्षा, पाण्डुलिपि एवं हस्तलेख विभाग ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने महर्षि भरद्वाज को विभिन्न विधाओं के आचार्य के रूप में प्रतिपादित करते हुए उन्हें वैद्यों का वैद्य बताया तथा उन्हें उत्तर भारत में ज्ञात प्रथम कुलपति के रूप में भी स्थापित किया। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. गिरीन्द्र सिंह तोमर ने महर्षि भरद्वाज को त्रिसूक्त आयुर्वेद का ज्ञान देने के लिए नमन किया। अपने वक्तव्य में उन्होंने महर्षि भरद्वाज को आयुर्वेद के साथ ही विमानशास्त्र के प्रवर्तक के रुप में भी स्थापित किया। प्रयागराज के मूर्धन्य पत्रकारों में सम्मिलित श्री वीरेन्द्र पाठक ने महर्षि भरद्वाज के द्वारा स्थापित मानकों की विवेचना करते हुए उन्हें प्रथम चिकित्सक, विशिष्ट वैज्ञानिक के रूप में नमन करते हुए प्रयागराज के समस्त नागरिकों से महर्षि भरद्वाज को उनके जन्मदिवस माघ मास कृष्ण पक्ष की पंचमी को नमन कर आशीर्वाद प्राप्त करने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने महर्षि भरद्वाज के विमानशास्त्र के विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. राजकिशोर अग्रवाल ने प्रयाग में आयुर्वेद गुरुकुलम् की स्थापना का संकल्प व्यक्त किया साथ ही गंगानाथ झा परिसर के समस्त शोध छात्रों से आयुर्वेद के क्षेत्र को भी शोध हेतु सम्मिलित करने का सुझाव दिया। समारोह के अन्य अतिथि डॉ. नागेन्द्र जायसवाल ने महर्षि भरद्वाज की विभिन्न विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए प्रयागवासियों की ओर से नमन किया। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अवनीश पाण्डेय द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्री अंकित मिश्र ने किया। इस अवसर पर प्रो. देवदत्त सरोदे, डॉ. सुरेश पाण्डेय, डा. रामरूप, सुश्री अश्विनी राजेश लंके, शुभश्री दास, अञ्जनी कुमार पुण्डरीक, श्री संजय मिश्र, श्री राजेशकान्त तिवारी, श्री विजय कुमार मिश्र समेत परिसरीय अन्य अधिकारी, कर्मचारी गण, वेदविद्यालय के प्रधानाचार्य सहित अनेक बटुक, शोधच्छात्र तथा अन्य छात्र समुपस्थित रहे।

व्याकरणशास्त्र ज्ञान से भाषा संस्कार का बोध – डॉ. सत्यकेतु

प्रयागराज। संस्कृत विभाग, प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय प्रयागराज द्वारा संस्कृत विभाग में व्याकरण शास्त्र आधारित विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें व्याख्याता के रूप में पधारे डॉ. सत्यकेतु एसोसिएट प्रोफेसर, संस्कृत–विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय ने व्याकरण शास्त्र की वर्तमान कालिक

उपादेयता पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम संयोजक संस्कृत विभागाध्यक्ष, डीन कला संकाय प्रो. विवेक कुमार सिंह ने कहा कि संस्कृत भाषा सत्य सनातन मूल्यों की संरक्षिका है। प्रो. राजकुमार गुप्त, मुख्य कुलानुशासक ने कहा कि व्याकरण सम्मत संस्कृत के व्यवहार से बौद्धिक गौरव की अनुभूति होती है। मुख्य वक्ता डॉ. सत्यकेतु ने कहा कि व्याकरण का ज्ञान भाषा व्यवहार को संस्कारित करता है। उन्होंने व्याकरण शास्त्र के प्रमुख सोपानों का विवरण देते हुए भाषायी दृष्टि से व्याकरण के प्रयोजन को विवेचित किया। संस्कृत विभाग के समन्वयक, उपकुलानुशासक डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी ने कहा कि संस्कृत भारतीय ज्ञान परम्परा को समृद्ध करने वाली देवभाषा है। कार्यक्रम संचालक डॉ.पीयूष मिश्र ने कहा कि व्याकरण ज्ञान भाषा के अशुद्ध प्रयोग को अनुशासित करता है। व्याकरण भाषा का शासक होता है। डॉ. प्रिया झा ने सभी आगंतुकों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर डॉ.अखण्ड प्रताप पाल, डॉ.नारायण दत्त तिवारी, डॉ. सौरभ द्विवेदी, अनन्तजी मिश्र, नितिन त्रिपाठी, कैलाश चन्द्र तिलवाड़ी, अंजलि गिरि, संदीप दुबे, आदित्यराज गिरि, गोल्डी यादव आदि सैकड़ों विद्यार्थी,शोधार्थी तथा शिक्षकगण उपस्थित रहे।

सेवा कार्य पूर्ण मनोयोग पूर्वक करना चाहिए

प्रयागराज। महाकुम्भ (13 जनवरी से 26 फरवरी, 2025) में राष्ट्रीय सेवा योजना, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों को सक्रिय रूप से आगंतुकों, श्रद्धालुओं, पर्यटकों, दर्शनार्थियों, स्नानार्थियों के मध्य अपनी सेवा की भूमिका के निर्वहन और इस दौरान लोगों को स्नान हेतु स्थान मार्गदर्शन, खोए हुए व्यक्तियों को अपनों से मिलाने, दुर्घटनाग्रस्त व्यक्तियों को प्राथमिक चिकित्सा हेतु चिकित्सा शिविर तक पहुंचाने सहित यातायात और आपदा प्रबन्धन सम्बन्धी सेवा कार्य का सम्यक रूप से निर्वहन करने के निमित्त हरी झंडी दिखाकर रवाने करते हुये इलाहाबाद विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. आशीष खरे ने कहा कि आपदा प्रबन्धन और सेवा में नवयुवकों की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र प्रो. आशीष सक्सेना ने कहा कि सेवा कार्य पूर्णमनोयोग पूर्वक करना चाहिये। मुख्य कुलानुशासक प्रो. राकेश सिंह ने कहा कि सेवा परम धर्म है।इलाहाबाद विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक प्रो. राजेश कुमार गर्ग ने कहा कि पुण्य सलिला माँ गंगा और अमृत सलिला माँ यमुना के साथ, नीर क्षीर विवेकप्रदायिनी अदृश्य सरस्वती के पावन संगम, समुद्र मन्थन से उदभूत अमृत के सबसे वरेण्य महत्त्ववत्ता वाले तीर्थराज प्रयाग में महाकुम्भ के अवसर पर सेवा सौभाग्य का कार्य है।अतिथियों का स्वागत और धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मनीष गौतम ने किया। उल्लेखनीय है कि अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण लखनऊ के निर्देश पर जिला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण प्रयागराज द्वारा आपदा से बचाव हेतु 1000 राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों को चिन्हित कर उन्हें किट (हाफ जैकेट,सीटी और टार्च) प्रदान कर आपदा में सहयोग के लिये तैयार किया गया है। स्वयंसेवक उत्साहित हैं और किसी भी आपदा में सेवा कार्य के लिये तैयार हैं।

आगरा मंडल के 200 दिव्यांग छात्र छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिता में भाग लिया

मथुरा ।दूसरे दिन शुक्रवार को प्रतियोगिताओं में 200 छात्र छात्राओं ने खिलौने बनाना, रंगोली, पोशाक मुकुट, नारे लेखन, कार्ड बनाना, कृत्रिम आभूषण, चित्रकारी पेंटिंग, डांस फैशन शो, सिंगिंग आदि कार्यक्रमो में भाग लिया, अलग अलग प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान पाने वाले छात्र छात्राओं को गोल्ड मेडल, द्वितीय स्थान पाने वाले छात्र–छात्राओं को सिल्वर और तृतीय स्थान पाने वाले छात्र छात्राओं को ब्रोंज मैडल देकर सम्मानित किया गया वहीं छात्र छात्राओं ने कहा कि हम दिव्यांग छात्राओं के लिए जिस तरीके का यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है, यह एक मिसाल है ,हमें भी अपने जीवन में एक सुनहरा अवसर मिला है रंग भरने का। आज संकल्प वेलफेयर सोसाइटी की संस्थापक डॉ गीतांजलि शर्मा द्वारा जिस तरह का कार्यक्रम का आयोजन किया गया है बहुत अच्छा कार्यक्रम है, बड़ी अच्छी व्यवस्थाएं की गई है और यहां पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया है, हम लोगों को समाज से जोड़ने का और हमारी प्रतिभा की कदर जो यह संस्थान कार्य कर रहा है बहुत ही सराहनी है और हम लोग डॉक्टर गीतांजलि शर्मा की भूरी भूरी प्रशंसा करते हैं। संकल्प वेलफेयर सोसाइटी की संस्थापक डॉक्टर गीतांजलि शर्मा ने कहा कि आज आगरा मंडल के 200 दिव्यांग छात्र छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया है, छात्र छात्राओं के चेहरे पर जो हंसी और होठों पर जो मुस्कान आई है में बयान नहीं कर सकती कि मुझे कितना अच्छा लग रहा है, मुझसे जितना भी संभव होगा मैं दिव्यांग लोगों के जीवन में रंग भरना चाहती हूं, विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले छात्र–छात्राओं को प्रस्तुति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा और जो प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करेंगे उन्हें गोल्ड मेडल, सिल्वर मेडल और ब्राउन मेडल देकर सम्मानित किया जाएगा, यह कार्यक्रम तीन दिवसीय चल रहा है कल भी विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, विभिन्न प्रतियोगिताओं में छात्र छात्राओं को मिले गोल्ड,सिल्वर और ब्राउन मेडल पोशाक बनाने में करिश्मा ने पहला स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल हासिल किया,रंगोली में लेखा,प्रताप और आकांशा ने प्रथम स्थान पाकर गोल्ड मेडल जीता, द्वितीय स्थान कुशाग्र दिवेश और सरवन ने सिल्वर मेडल हासिल कर किया वहीं तृतीय स्थान दीपक और शिवम सिसोदिया ब्राउन मेडल जीता, नई लेखन में प्रथम स्थान कुशाग्र भारद्वाज ने जीत कर गोल्ड मेडल हासिल किया वहीं द्वितीय मेडल सिल्वर अनामिका यादव ने प्राप्त किया है, वही मेहंदी में प्रथम स्थान शालू ने प्राप्त कर गोल्ड मेडल जीता वही द्वितीय पर रखी रही और तृतीया पर प्रताप सिंह, खिलौना मेकिंग में पूजा ने प्रथम स्थान प्राप्त गोल्ड मेडल हासिल किया है, वहीं पेंटिंग में प्रथम स्थान राशि ने जीतकर गोल्ड मेडल हासिल किया वहीं दूसरे स्थान पर राखी ने सिल्वर मेडल जीता और तृतीय स्थान पर प्रताप सिंह ने ब्राउन मेडल जीता, चित्रकारी में प्रथम स्थान पाकर गोल्ड मेडल प्राप्त किया है,फैशन शो में सुधीर ने प्रथम स्थान पाकर गोल्ड मेडल प्राप्त किया है,डांस में सोहेल ने प्रथम स्थान गोल्ड मेडल दीपक ने सिल्वर और ग्रुप डांस टीम ने तीसरा स्थान पाया, वहीं प्रतियोगिता में भाग लेने वाले अन्य छात्र–छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें प्रस्तुति पत्र दिया गया है।।कॉलेज के प्राचार्य ललित मोहन शर्मा, नगर निगम के पार्षद विनोद अग्रवाल, गीतांजलि शर्मा आदि मौजूद रहे। सभी अतिथियों का माला पटुका पहनाकर स्वागत किया गया।

चारबाग स्टेशन पर कुलियों का हंगामा : रैन बसेरा गिराए जाने का किया विरोध

डीआरएम ने दिया वैकल्पिक व्यवस्था का आश्वासन

लखनऊ, संवाददाता। चारबाग रेलवे स्टेशन पर उत्तर रेलवे (एनआर) के पुनर्विकास परियोजना में तहत कुलियों के रैन बसेरे पर बुलडोजर चलाने की कार्रवाई से विवाद खड़ा हो गया। यह रैन बसेरा पिछले 25 वर्षों से कुलियों के लिए शरण स्थल बना हुआ है। शुक्रवार सुबह जब रेलवे का बुलडोजर रैन बसेरे को गिराने पहुंचा तो कुलियों ने इसका जमकर विरोध किया।

रैन बसेरा 250 कुलियों का शरण स्थल

डीआरएम सचिंद्र मोहन शर्मा और स्टेशन निदेशक प्रशांत कुमार मामले की गंभीरता को देखते हुए मौके पर पहुंचे। कुलियों के अध्यक्ष सुरेश यादव ने रेलवे अधिकारियों से अनुरोध किया कि रैन बसेरा तोड़े जाने से पहले उन्हें किसी सुरक्षित और बड़े स्थान पर आश्रय की व्यवस्था की जााए। उन्होंने बताया कि करीब 250 कुली इस रैन बसेरे में रहते हैं। जगह की कमी के कारण उन्हें पहले ही कई मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। डीआरएम ने कुलियों की मांगों पर विचार करने और समस्या का समाधान का आश्वासन दिया।

एनआर के पुनर्विकास के लिए बदलाव जरूरी

रेलवे अधिकारियों ने कहा कि उत्तर रेलवे का पुनर्विकास और आधुनिकीकरण करने के लिए कई बदलाव जरूी है। ताकि स्टेशन को आधुनिक और सुविधाजनक बनाया जा सके। इस प्रोजेक्ट में स्टेशन के पुराने ढांचे को सुधारने, नए इंफ्रास्ट्रक्चर और यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाया जाएगा। इसलिए रैन बसेरे को हटाना इस परियोजना का एक हिस्सा है। डीआरएम सचिंद्र मोहन शर्मा ने आश्वासन दिया कि कुलियों की समस्या का समाधान निकाला जाएगा और उनके लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जाएगी।

किसानों की समस्याओं को लेकर भाकियू चढूंनी ने ज्ञापन देकर जताया आक्रोश , किसानों की अनदेखी का आरोप 15 दिन में समस्याओं का हल नहीं होने पर बड़े आंदोलन का ऐलान

मथुरा। भाकियू चढूंनी के सैकड़ों कार्यकर्ता किसानों की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर मुख्यमंत्री को प्रेषित ज्ञापन देने महावन तहसील नारेबाजी करते हुए पहुंचे और किसानों की अनदेखी करने का शासन, प्रशासन पर आरोप लगा कर आक्रोश व्यक्त किया, 15 दिन में समस्याओं का निस्तारण नहीं होने पर बड़े आंदोलन

का ऐलान किया। उपजिला अधिकारी आदेश कुमार और तहसीलदार सुशील कुमार गुप्ता ने किसानों और कार्यकर्ताओं के साथ तहसील सभागार में बैठकर समस्याओं को सुना और उन्हें जल्द निस्तारण करने का भरोसा दिलाया उसके बाद मुख्यमंत्री को प्रेषित 10 सूत्रीय ज्ञापन उपजिला अधिकारी आदेश कुमार को सौंपा। आगरा मंडल अध्यक्षध्प्रदेश प्रवक्ता रामवीर सिंह तोमर ने कहा मुख्यमंत्री की सख्ती के बाद भी किसानों के काम समय पर नहीं हो रहे हैं। बेमौसम बारिश से प्रभावित अभी भी तमाम किसानों को मुआवजा नहीं मिला है। खतौनी और आधार कार्ड में नाम में छोटे मोटे अंतर होने के कारण किसानों की फॉर्मर रजिस्ट्री में परेशानी के कारण किसान जनसुविधा केंद्रों और पोस्ट ऑफिसों के चक्कर लगाने को मजबूर हैं। जिलाध्यक्ष संजय पाराशर, प्रदेश महासचिव सतीश चन्द्र, उपाध्यक्ष बिल्ला सिंह, मंडल अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ राहुल चौधरी ने कहा दाखिल खारिज, खसरा मूल, निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र , जन्म प्रमाण पत्र, कुड़ा बटवारे के नाम पर किसानों का उत्पीड़न हो रहा है उसे बर्दास्त नहीं किया जाएगा। जिला अध्यक्ष ने कहा नहर बंबायों में पर्याप्त पानी नहीं हैं, जनपद में अघोषित विद्युत कटौती गंभीर समस्या बनी है। देहात में शिड्यूल्स के हिसाब से बिजली आपूर्ति नहीं दी जा रही है। चौकिंग में एफआईआर का डर दिखाकर लोगों को परेशान उत्पीड़ित किया जा रहा है। नहर बंबायों में पर्याप्त पानी नहीं हैं, आवारा पशुओं एवं निराश्रित गौवंश खेती किसानी को नुकसान पहुंचा रहे हैं। मांग की गई कि बिजली का निजीकरण न किया जाए, निजीकरण से किसानों एवं अन्य उपभोक्ताओं के हित प्रभावित होंगे। बिजली के निजी हाथों में जाने से खेती किसानी की लागत बढ़ जाएगी। यमुना एक्सप्रेस के सर्विस रोड को पक्का कराया जाए। कुंतभोज रावत, हरिपाल सिंह परिहार, श्याम सिंह परिहार, हरिओम सिंह परिहार, श्यामपाल सिंह, जयपाल सिंह चौधरी, डा रमेश चंद्र सिकरवार, चौधरी हीरा सिंह, कुमारी गोमती , रामप्रकाश पुजारी, भुल्ली सिंह, ओमवीर सिंह, नरेंद्र उपाध्याय, बच्चू सिंह तोमर, गौरी शंकर, अर्जुन सिंह, रामशरण, बिट्टू, कैलाश, प्रेम सिंह, अर्जुन सिंह, मुकेश, पवन, देवी सिंह, संतो शर्मा, चमन लाल, राजा, गिरधारी , जवाहर सिंह, सोनवीर सिंह सहित सैकड़ों कार्यकर्ता किसान शामिल रहे।

घाट हैं जगमग–जगमग

(कुण्डलियां)

जगमग– जगमग रोशनी,पावन गंगा तीर।
कोई खोया कर्म में,कोई हुआ फकीर।
कोई हुआ फकीर, त्याग जग की ममता को।
करता कोई साफ,मात्र अपनी काया को।
सुन लो कहें प्रदीप, न दिखता कोई भी ठग।
चमक रही है रेणु, घाट हैं जगमग– जगमग ।।

शबनम से भीगी जमीं,काँप रही थी भोर।
नंग बदन नागा दिखे, राम नाम का शोर।
राम नाम का शोर,करे भक्तों की टोली।
कर गंगा स्नान, गले मिलते हमजोली।
सुन लो कहें प्रदीप,न इनको कोई है गम।
हरि का समझ प्रसाद, मिली बालू में शबनम। ।

डॉ०प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज
प्रयागराज

सम्पादकीय.......

मोटापा सब पे भारी

आर्थिक विषमताओं के बावजूद देश के लोगों में मोटापे की प्रवृत्ति का बढ़ना एक गंभीर स्वास्थ्य संकट की ओर इशारा करता है। इस संकट का विरोधाभासी पक्ष यह है कि अमीर संग गरीब भी मोटापे का शिकार हैं। जिसकी वजह से देश की आबादी के लिये मोटापे के मानकों को फिर से परिभाषित किया जा रहा है। इस बाबत नवीनतम दिशानिर्देश समस्या की गंभीरता को दर्शाते हैं। दरअसल, पारंपरिक बॉडी मास इंडेक्स यानी बीएमआई नये परिदृश्य में मोटापे को तार्किक रूप से परिभाषित नहीं करता। ये हमारी शरीर में बढ़ी चर्बी को नहीं दर्शाता। यह वजह है कि नये मानक पेट की चर्बी को प्राथमिकता देते हैं। दरअसल, हमारी शरीर की बढ़ी हुई चर्बी ही कालांतर मधुमेह और हृदय रोग जैसे चयापचय संबंधी विकारों को जन्म देती है। जो भारतीयों को असमान रूप से परिभाषित करता है। यही वजह है कि अब बीएमआई को माटापे नापने में अपर्याप्त माना जा रहा है। दरअसल, मोटाप नापने का परंपरागत मानक आनुवंशिक व शारीरिक संरचना के अंतर को नजरअंदाज करता है। जिसके विकल्प के रूप में अब कमर की परिधि और कमर से ऊंचाई के अनुपात को अधिक विश्वसनीय संकेतक के रूप में स्वीकार किया जा रहा है। दरअसल, वर्ष 2019–21 की अवधि के दौरान किए गये राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण–5 की रिपोर्ट के अनुसार देश में 23 फीसदी महिलाएं अधिक वजन वाली और चालीस फीसदी मोटे पेट वाली थीं। जबकि 22 फीसदी पुरुष अधिक वजन वाले और 12 प्रतिशत मोटे पेट वाले थे। विरोधाभासी रूप से गरीबों में भी इसका प्रभाव नजर आया है। दरअसल, आर्थिक विसंगतियों के बावजूद लोग कैलोरी सघन व पोषक तत्वों की कमी वाले प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के विकल्प को चुनते हैं। ऐसे में इन खाद्य पदार्थों का सेवन करने वाले अधिक वजन वाले तो हो जाते हैं मगर रहते कुपोषित ही हैं। दरअसल, तेजी से बढ़ते शहरीकरण और निष्क्रिय जीवनशैली ने भी मोटापे की समस्या को बढ़ाया है। यह संकट उन कम आय वाले समूहों में भी है, जहां स्वास्थ्य देखभाल की सुविधा की कमी इससे जुड़े जोखिमों को बढ़ा देती है। निर्विवाद रूप से पोषण संबंधी खामियों और अस्वास्थ्यकर जीवनशैली के कारण ही मोटापे की समस्या बढ़ रही है। खासकर शहरी क्षेत्रों में जंक फूड का बढ़ता प्रचलन इस समस्या को बढ़ा रहा है। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में भी सामर्थ्य के अभाव में असंतुलित आहार जैसी चुनौतियों का सामना लोगों को करना पड़ रहा है। वहीं दूसरी ओर सोशल मीडिया में बाजार के भ्रामक प्रचार के चलते युवा स्वास्थ्य की बजाय सौंदर्यशास्त्र को प्राथमिकता देते हैं। जिसके लिये वे असुरक्षित आहार या कृत्रिम सप्लीमेंट का सहारा ले रहे हैं। राष्ट्रीय मधुमेह, मोटापा और कोलेस्ट्रॉल फाउंडेशन के शोध के निष्कर्ष मोटापे के लिये दो चरणीय वर्गीकरण प्रणाली पेश करते हैं। पहला उपचार पूर्व प्रयास और दूसरा उपचार। इस साक्ष्य आधारित दृष्टिकोण का उद्देश्य बढ़ते स्वास्थ्य जोखिमों को संबोधित करना, संतुलित जीवन शैली को अपनाना और मोटापे की महामारी पर अंकुश लगाना है। निश्चय ही तेजी से बढ़ते गैर संक्रामक रोगों पर अंकुश लगाने के लिये मोटापा दूर करने के गंभीर प्रयासों की जरूरत है। बदलते सामाजिक व आर्थिक परिदृश्य में लोगों का स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित करने के लिये नीति–नियंताओं, स्वास्थ्य की देखभाल करने वाले पेशेवरों और जागरूक नागरिकों के सहयोगात्मक प्रयासों की जरूरत है। सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है कि हम संतुलित भोजन के साथ अपनी शारीरिक सक्रियता को बढाएं। सप्ताह में हमारे व्यायाम, खेल, तैराकी, जिम व योग–प्राणायाम के न्यूनतम घंटे निर्धारित होने चाहिए। निर्विवाद रूप से हमारे खानपान का संयम, गतिशील जीवन और प्रकृति के अनुरूप खानपान चर्बी घटाने में सहायक हो सकता है। यदि हम ऐसा करते हैं तो हमारे शरीर में अनावश्यक चर्बी जमा नहीं होगी और हम मधुमेह, उच्च रक्तचाप व हृदय रोग जैसी चुनौतियों का सामना करने से बच सकते हैं। दरअसल, सिर्फ मोटापा ही समस्या नहीं है बल्कि यह रोगों का पूरा कुनबा साथ लेकर चलता है। जिसे हम अनुशासित जीवन शैली और खानपान में सावधानी से ही टाल सकते हैं। अंततरू हम अनुशासित जीवनचर्या व संतुलित आहार से अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत कर सकते हैं।

राहुल का संघ पर नया हमला

प्रेम शर्मा

भारत को लेकर नजरिये का फर्क बतलाकर राहुल उन बुनियादी कारणों पर चले जाते हैं जिसके कारण कांग्रेस और संघ–भाजपा के बीच लड़ाई की स्पष्ट रेखा खिंचती है। इनमें से बहुत से ऐसे तथ्य हैं जो पिछले 75 वर्षों में कई बार साफ तौर पर उभरकर सामने तो आ ही चुके हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर बड़ा हमला बोला है। इस बार उनके निशाने पर सीधे संघप्रमुख मोहन भागवत आये हैं। दरअसल मंगलवार को भागवत ने एक बयान में वह सब कह दिया जो संघ वर्षों से कहता तो आया है लेकिन जब बात सार्वजनिक रूप से कहने या संवैधानिक मंच से स्वीकारने का अवसर आता है तो संगठन या तो मुकर जाता है या अपनी लाइन बदल देता है। 15 अगस्त, 1947 को भारत आजाद हुआ था और स्वतंत्र भारत का नीति–नियामक ग्रंथ भारतीय संविधान है, यह सभी जानते हैं परन्तु संघ का हमेशा से कुछ अलग ही विचार रहा है। आजादी की लड़ाई से खुद को दूर रखने वाले संघ ने 26 जनवरी, 1950 को लागू किये गये संविधान को भी यह कहकर स्वीकार नहीं किया था कि श्इसमें कुछ भी भारतीय नहीं है। जाहिर है कि संघ एवं उसके राजनीतिक विंग पूर्ववर्ती जनसंघ और वर्तमान भारतीय जनता पार्टी की पसंद श्मनुस्मृतिश रही है जो कि गैरबराबरी और वर्ण भेद पर आधारित संहिता है। यह कुनबा आजाद भारत के संवैधानिक प्रतीकों के भी खिलाफ रहा है। यही कारण है कि वर्षों तक संघ के नागपुर स्थित संघ मुख्यालय पर तिरंगा नहीं वरन शाखाओं में फहराया जाने वाला भगवा झंडा ही लगाया जाता था। पिछली लगभग पौन शताब्दी के दौरान विभिन्न मौकों पर संघ के पदाधिकारियों द्वारा या उनके मुखपत्रों में ये विचार तो अभिव्यक्त होते ही रहे लेकिन मंगलवार के जिस बयान को लेकर राहुल आक्रामक हुए हैं, उसमें भागवत ने कहा कि भारत ने अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण दिवस पर अपनी शसच्ची आजादीय हासिल की। भागवत का आशय राममंदिर की प्राणप्रतिष्ठा से था जो कि अयोध्या में पिछले साल हुआ था। तिथि के अनुसार इसकी सालगिरह 11 जनवरी को मनाई गई थी। भागवत ने यह भी कहा कि श15 अगस्त, 1947 को भारत को अंग्रेजों से राजनीतिक आजादी मिलने के बाद, देश से निकले उस खास नजरिये के दिखाए रास्ते के अनुसार एक लिखित संविधान बनाया गया, लेकिन दस्तावेज के अनुसार नहीं चलाया गया। भागवत के इस बयान को राहुल ने राष्ट्रद्रोह करार देते हुए कहा कि संघप्रमुख ने स्वतंत्रता की लड़ाई, संविधान और हर भारतीय का अपमान किया है। राहुल गांधी बुधवार की सुबह कांग्रेस के नयी दिल्ली स्थित नवनिर्मित मुख्यालय के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने भागवत को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि आज जो लोग सत्ता में हैं, वे तिरंगे को सलाम नहीं करते, राष्ट्रीय ध्वज को नहीं मानते, संविधान को नहीं मानते और भारत के बारे में उनका नजरिया हमसे बिलकुल अलग है। भारत को लेकर नजरिये का फर्क बतलाकर राहुल उन बुनियादी कारणों पर चले जाते हैं जिसके कारण कांग्रेस और संघ–भाजपा के बीच लड़ाई की स्पष्ट रेखा खिंचती है। इनमें से बहुत से ऐसे तथ्य हैं जो पिछले 75 वर्षों में कई बार साफ तौर पर उभरकर सामने तो आ ही चुके हैं, जिनके चलते कांग्रेस के साथ कई अनेक दल एवं संगठन भी संघ–जनसंघ–भाजपा के खिलाफ खड़े होते हैं। ऐसा भी नहीं कि राहुल इस मुद्दे पर पहली बार संघ को घेर रहे हैं पर इस बार सीधे भागवत पर हमला कर उन्होंने दर्शा दिया है कि लगातार तीसरी बार लोकसभा का चुनाव हारने, भाजपा को तीसरी बार सत्ता से दूर रखने में असफल रहने तथा इंडिया गठबन्धन की एकजुटता में आ रहे अवरोधों के बावजूद संघी विचारधारा के खिलाफ कांग्रेस की लड़ाई न धीमी पड़ी है और न ही ठंडी। अपनी दोनों भारत जोड़ो यात्राओं के दौरान राहुल ने विचारधाराओं का जो संघर्ष छेड़ा था, उसमें कांग्रेस न तो कोई ढील देने जा रही है और न ही वह इससे पीछे हटेगी। उसे यह भी पता है कि वह संघ के विरोध की लड़ाई में बिलकुल अकेली है, वैसे ही जिस प्रकार आजादी की लड़ाई उसने अपने बलबूते पर लड़ी थी। इसलिये अपने भाषण में राहुल ने साफ किया कि, इस देश में कोई भी दूसरी पार्टी नहीं जो उन्हें (भाजपा को) रोक सके। उन्हें रोकने वाली एकमात्र पार्टी कांग्रेस है। राहुल का यह कहना उनके संगठन के हौसलों को तो दर्शाता ही है, इसकी तैयारी भी दिखलाता है कि मौका पड़े तो वह अकेली संघ–भाजपा से दो–दो हाथ करेगी। उनके बयान को गठबन्धन के उसके सहयोगियों की ओर संकेत भी माना जाये जो या तो संघ–भाजपा से लड़ने में डरते हैं या जो इंडिया में नेतृत्व परिवर्तन की बातें करने लगे हैं। राहुल कोई पहली बार संघ परिवार पर हमलावर नहीं हुए हैं, तो भी उन्होंने एक तरह से संविधान को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मोहन भागवत के बीच अंतर्विरोध को भी उजागर कर दिया है। कहां तो 2024 के लोकसभा चुनावों में पूरी भाजपा 400 के पार जाने का मंसूबा पाले हुई थी और कहां अब मोदी संविधान की रक्षा की बात करने लगे हैं, क्योंकि पिछली और वर्तमान लोकसभा में उनकी पार्टी के सांसदों की सदस्य संख्या में 63 की कमी आई है। माना जाता है कि भाजपा को यह नुकसान संविधान बदलने के उसके इरादे उजागर होने के चलते हुआ है। जैसा कि आरोप है, भाजपा ने कम से कम 70 सीटों पर मतदान के आंकड़ों में हेरा–फेरी करके सरकार बचाई है। ऊपर से दो पार्टियों की बैसाखी भी उसे थामनी पड़ी। सम्भवतः भागवत को मोदी की इस मजबूरी का या तो भान नहीं है अथवा उन्हें चिंता नहीं है, अन्यथा वे इस तरह का संविधान विरोधी बयान नहीं देते। राहुल ने इस विसंगति को पकड़ लिया और एक झटके में उन्होंने भागवत पर हमला करते हुए संघ व भाजपा दोनों को बेनकाब कर दिया है। संविधान की रक्षा का कांग्रेस का संकल्प भी उनके बयान में अंतर्निहित है।

खाद्य कीमतों में वृद्धि से हाशिए पर पड़े लोगों के लिए पोषण का संकट

संजय रॉय

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने हाल ही में घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण 2023–24 की तथ्य–पत्रिका जारी की है। यह वार्षिक श्रृंखला की दूसरी सर्वेक्षण रिपोर्ट है जो 2011–12 में सरकार द्वारा जारी किये गये 68वें दौर के उपभोग व्यय सर्वेक्षण के बाद लंबे अंतराल के बाद 2022–23 में शुरू हुई है। सरकार इस बार यह रिपोर्ट जारी करने में सहज प्रतीत होती है क्योंकि ग्रामीण भारत में मासिक प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय (एमपीसीई) 2022–23 में 3,773 रुपये से बढ़कर 2023–24 में 4,122 रुपये और शहरी भारत में 6,459 रुपये से बढ़कर क्रमशरू 6,996 रुपये हो गया है। इसका अर्थ है कि ग्रामीण और शहरी भारत में उपभोग व्यय में क्रमशरू 9.25 और 8.31 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। सामान्य उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में 6 प्रतिशत की मुद्रास्फीति दर और 9 प्रतिशत से अधिक खाद्य मुद्रास्फीति दर है। इस महंगाई के समायोजन के बाद घरेलू उपभोग व्यय में नाममात्र की वृद्धि वास्तव में जीवन दशा सुधारने में कोई खास अर्थ नहीं रखती। हालांकि सरकार यह भी दावा करती है कि कुल उपभोग व्यय के गिनी गुणांक द्वारा मापी गयी असमानता ग्रामीण भारत के लिए 2022–23 में 0.226 से गिरकर 2023–24 में 0.237 हो गयी है। यह स्पष्ट रूप से इस तथ्य का खंडन करता है कि भारत के मामले में आय में असमानता तेजी से बढ़ रही है, जबकि उपभोग व्यय के मामले में असमानता मामूली रूप से कम हुई है। एनएसओ उपभोग व्यय वितरण को 12 भिन्न वर्गों में विभाजित करता है। सबसे निचला वर्ग उपभोग वितरण के सबसे गरीब 5 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करता है और सबसे ऊपरी वर्ग भारतीय उपभोक्ताओं के सबसे अमीर 5 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करता है। वितरण को दो शीर्ष और निचले वर्गों के लिए 5 प्रतिशत की सीमा के साथ विभाजित किया गया है और बाकी को बीच के आठ भिन्न वर्गों के लिए 10 प्रतिशत की सीमा के साथ विभाजित किया गया है। 2023–24 में शीर्ष 5 प्रतिशत में औसत उपभोक्ता एक गरीब व्यक्ति द्वारा औसतन उपभोग किए जाने वाले उपभोग से छह गुना अधिक उपभोग करता है। यह स्पष्ट रूप से आय और धन में असमानता की तुलना में मामूली लगता है क्योंकि जैसे–जैसे आय बढ़ती है, किसी व्यक्ति की कुल आय में उपभोग व्यय का हिस्सा घटता जाता है। जैसे–जैसे लोग अमीर होते जाते हैं, आय या संपत्ति में वृद्धि की तुलना में उपभोग व्यय धीमी गति से बढ़ता है। दूसरी ओर, बढ़ी हुई आय का बड़ा हिस्सा गरीब लोगों द्वारा उपभोग में खर्च किया जाता है और उपभोग के मामले में असमानता आय या संपत्ति में असमानता की तुलना में बहुत कम होने की उम्मीद है। पिछले दशकों में उपभोग व्यय में एक महत्वपूर्ण प्रवृत्ति यह देखी गयी है कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में औसत एमपीसीई में खाद्य की हिस्सेदारी में गिरावट आई है। औसतन उपभोग व्यय में खाद्य की हिस्सेदारी ग्रामीण भारत में 2011–12 में 52.9 से घटकर 2023–24 में 47.04 प्रतिशत और शहरी भारत में 42.62 से घटकर 39.68 प्रतिशत हो गयी है। एक तर्क यह हो सकता है कि प्रति व्यक्ति आय बढ़ने के साथ कुल उपभोग व्यय में खाद्य की हिस्सेदारी घटती है और खाद्य समूह के भीतर अनाज की हिस्सेदारी घटती है। जैसे–जैसे आय बढ़ती है, लोग अपनी आय का बढ़ता हिस्सा गैर–खाद्य पर खर्च करते हैं और खाद्य के भीतर तेल, सब्जियां, अंडा, मछली, मांस और फलों पर अधिक खर्च करते हैं जबकि कुल खाद्य व्यय के अनुपात में अनाज की खपत घटती है। यह आहार परिवर्तन श्रम प्रक्रिया में परिवर्तन के कारण भी होता है, क्योंकि शहरी और ग्रामीण दोनों उत्पादन गतिविधियों में, मशीनीकरण बढ़ने के साथ पहले की तुलना में कम शारीरिक ऊर्जा की आवश्यकता होती है। भोजन व्यय के हिस्से के रूप में खाद्य का हिस्सा कम हो सकता है, भले ही खाद्य की वास्तविक खपत निरपेक्ष रूप से बढ़ गयी हो, लेकिन गैर–खाद्य पर व्यय बहुत तेजी से बढ़ सकता है। सबसे गरीब वर्ग के लिए, कुल उपभोग व्यय में खाद्य पर व्यय का हिस्सा 60 प्रतिशत से अधिक है, जबकि सबसे अमीर वर्ग के मामले में, यह केवल 20 प्रतिशत के करीब है। दूसरे शब्दों में, अमीर वर्गों के मामले में खाद्य और गैर–खाद्य पर व्यय के बीच का अंतर तेजी से बढ़ता है। हाल ही में जारी की गयी रिपोर्ट में जो बात दिलचस्प लगती है, वह इस लंबी अवधि की प्रवृत्ति का उलट है, यानी कुल उपभोग व्यय में खाद्य का हिस्सा पिछले साल की तुलना में औसतन बढ़ा है। ग्रामीण उपभोक्ताओं के मामले में यह 46.38 से 47.04 प्रतिशत और शहरी उपभोक्ताओं के मामले में 39.17 से 39.68 प्रतिशत तक मामूली रूप से बढ़ा है। इसका मतलब यह नहीं है कि लोग पिछले साल की तुलना में औसतन ज्यादा खाना खा रहे हैं, बल्कि ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि साल के ज्यादातर समय में खाद्य पदार्थों की महंगाई दर अन्य उपभोक्ता वस्तुओं की महंगाई दर से ज्यादा रही है। उस स्थिति में जब खाद्य पदार्थों की कीमतें अन्य वस्तुओं की तुलना में ज्यादा अनुपात में बढ़ती हैं और चूंकि लोग खाने की खपत में शायद ही कटौती करते हैं, इसलिए कुल खपत व्यय में खाद्य पदार्थों की हिस्सेदारी में वृद्धि दर्ज की जाती है। पिछले कुछ सालों में उपभोग व्यय सर्वेक्षणों ने गैर–खाद्य वस्तुओं की खपत के वितरण में कुछ महत्वपूर्ण रुझानों को भी रेखांकित किया है। पिछले दशकों में शिक्षा और चिकित्सा सेवाओं पर व्यय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह दो प्रक्रियाओं का संयुक्त प्रभाव हो सकता है। एक है स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा की आवश्यकता के बारे में बढ़ती जागरूकता, और दूसरा कारक निश्चित रूप से स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा दोनों का बढ़ता व्यवसायीकरण है, जो पहले सार्वजनिक प्रावधान के माध्यम से गरीबों और मध्यम वर्ग के लिए काफी हद तक सुलभ था। पिछले दशक में दवा पर खर्च आसमान छू गया है और ईएमआई पर आधारित खपत कई गुना बढ़ गयी है। खपत के बढ़ते वित्तीयकरण ने सभी वर्गों के व्यय पैटर्न को प्रभावित किया है। ईंधन की कीमतों में वृद्धि भी विभिन्न वर्गों के उपभोग व्यय को प्रभावित करती है। पिछले दशकों में खाना पकाने के ईंधन पर खर्च में काफी वृद्धि हुई है। साथ ही, अध्ययनों से पता चलता है कि ग्रामीण और शहरी दोनों परिवारों द्वारा अपने बच्चों के लिए ट्यूशन फीस पर बहुत अधिक खर्च किया गया है और यह घटना गरीब वर्गों के लिए अपेक्षित रूप से अधिक है। पिछले दशक में औसतन गैर–खाद्य व्यय में सबसे महत्वपूर्ण वृद्धि संचार पर हुई है। सेल फोन का उपयोग सभी वर्गों में बढ़ गया है और कई मामलों में, यह कई निजी और सार्वजनिक लेनदेन के लिए लगभग अपरिहार्य हो गया है। डिजिटलीकरण में वृद्धि ने सेल फोन के उपयोग को लगभग गैर–विवेकाधीन बना दिया है। इंटरनेट का उपयोग भी बढ़ रहा है, लेकिन अमीर और गरीब के बीच व्यय का अंतर अभी भी अधिक है। उपभोग व्यय के इन बदलते परिदृश्यों में जो महत्वपूर्ण है वह है विभिन्न वर्गों में विवेकाधीन और गैर–विवेकाधीन उपभोग व्यय के बीच की सीमा को फिर से परिभाषित करना। जो व्यय विवेकाधीन हैं, वे कुछ हद तक जरूरत पड़ने पर टाले जा सकते हैं, जैसे मनोरंजन या बाहर खाने पर और जो अपरिहार्य हैं, जैसे भोजन, चिकित्सा देखभाल, आवास के लिए किराया या ईएमआई आदि पर व्यय। पिछले कुछ दशकों में उपभोग व्यय के उभरते पैटर्न से यह स्पष्ट है कि उपभोग की कई वस्तुएं जिन्हें पहले विवेकाधीन माना जाता था, वे विभिन्न वर्गों में गैर–विवेकाधीन हो गयी हैं। कामकाजी लोगों की उपभोग आवश्यकताओं में भी बदलाव आता है, और यह श्रम प्रक्रिया, सांस्कृतिक प्रक्रियाओं और उपभोग के सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के बदलते वितरण से निर्धारित होता है। सबसे गरीब वर्ग के लिए, खाद्य कीमतों में वृद्धि से खाद्य पदार्थों की खपत कम हो सकती है जिससे पोषण की कमी हो सकती है, लेकिन अन्य निम्न और मध्यम वर्गों के लिए, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और संचार की उपलब्धता उपभोग मांग के महत्वपूर्ण घटक बनकर उभरी है।

राहुल का ऐलान, भाजपा परेशान

सर्वमित्रा सुरजन

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के एक बयान से भाजपा को उन पर और उनके बहाने कांग्रेस पर और कांग्रेस के बहाने देश की उदार, लोकतांत्रिक विरासत पर हमला करने का नया अवसर मिला। भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने इस मौके का पूरा फायदा उठाया, राहुल गांधी का संबंध नक्सलियों से जोड़ा और साथ ही कांग्रेस की विचारधारा को घिनौनी तक बता दिया। गौरतलब है कि बुधवार को नयी दिल्ली में 9 ए कोटला मार्ग पर कांग्रेस के नए मुख्यालय का उद्घाटन हुआ। अब तक कांग्रेस का मुख्यालय 24 अकबर रोड पर था। 15 साल पहले 2009 में कांग्रेस ने इस नए भवन की आधारशिला रखी थी और 15 जनवरी 2025 में इसका उद्घाटन हुआ। कांग्रेस एक भवन से निकल कर दूसरे भवन में अपने कार्यालय को लेकर गई, लेकिन यह केवल कार्यालय का स्थानांतरण नहीं था, बल्कि कांग्रेस के तौर–तरीकों में स्थानांतरण का संकेत इस उद्घाटन के मौके पर दिया गया। राहुल गांधी का भाषण इसी का प्रमाण था। राहुल गांधी अपने राजनैतिक जीवन की शुरुआत से भाजपा, संघ और संविधान विरोधी तमाम शक्तियों के खिलाफ संघर्ष का ऐलान करते आए हैं। जब यूपीए सत्ता में थी, तब भी और जब एनडीए सत्ता में आई, तब भी राहुल गांधी ने हमेशा देश में हाशिए पर खड़े लोगों के हक में आवाज बुलंद की। जब मोदी शासन में लोकतंत्र और संविधान को धता बताते हुए सांगठनिक तरीके से अल्पसंख्यकों, दलितों, किसानों, मजदूरों, स्त्रियों पर हमले शुरु हुए और नफरत का माहौल बढ़ने लगा, तो राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा निकाली और पैदल ही कन्याकुमारी से कश्मीर तक का सफर तय किया। जब उन्हें लगा कि एक यात्रा काफी नहीं है और न्याय की लड़ाई लंबी है, तो दूसरी भारत जोड़ो यात्रा निकाली, इसमें न्याय का परचम लेकर राहुल निकले और इस बार मणिपुर से मुंबई तक का सफर तय किया, कुछ पैदल कुछ वाहन में। इन दोनों यात्राओं के बीच में और अब भी राहुल उन लोगों के बीच कभी भी पहुंच जाते हैं, जिनसे हिंदुस्तान बनता है। इन लोगों में कभी किसान होते हैं, कभी पहलवान, कभी मोची, तो कभी गिग वर्कर्स। ऐसा नहीं है कि जिन लोगों से राहुल मिलते हैं, उनकी बातें सुनते हैं, उनके साथ खाना खाते या चाय पीते घर–परिवार, व्यापार, पढ़ाई की बातें करते हैं, वे सब कांग्रेस के मतदाता होते हैं। अगर ऐसा होता तो कांग्रेस को इतनी बार, इतने राज्यों में हार का सामना नहीं करना पड़ता। लेकिन फिर भी राहुल आम भारतीयों से मिलते हैं, ताकि भारत के बारे में उनकी समझ और मजबूत हो और इसके साथ ही वे यह टटोल सकें कि क्या वाकई भारत ऐसा है, जिसमें घर में रखे गौ मांस के शक में किसी को पीट–पीट कर मार दिया जाता है, जहां जबरन जय श्री राम के नारे लगवाकर आतंकित करने की कोशिश होती है, जहां दलितों, अल्पसंख्यकों और आदिवासियों का उत्पीड़न जाति और धर्म के आधार पर होता है। दो–दो यात्राओं और लगातार लोगों से मिल कर राहुल ने यह पाया कि आम हिंदुस्तानी नफरत नहीं प्यार से ही रहना चाहता है। उसकी चिंताएं अच्छे रोजगार, शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की है। आजाद भारत का नागरिक हर हाल में अपनी आजादी और उस संविधान को बचाकर रखना चाहता है, जिसके कारण उसे बराबरी का हक मिला, अपनी मर्जी की सरकार चुनने की आजादी मिली। लोकसभा चुनावों में जब इसी संविधान को खत्म करने की बात भाजपा प्रत्याशियों ने की तो कांग्रेस ने, इंडिया गठबंधन ने इस बात को जनता तक पहुंचाया और नतीजा ये हुआ कि लोकसभा में भाजपा की सीटें कम हो गईं, उसे पूर्ण बहुमत नहीं मिला। इसका मतलब यह कि राहुल गांधी जब नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान लगाने की बात करते हैं तो लोग उसे सुन रहे हैं, समझ रहे हैं। लेकिन संघ प्रमुख मोहन भागवत के विचार आजादी और संविधान को लेकर अलग ही हैं। मोहन भागवत ने कहा है कि जिस दिन राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा हुई, उसी दिन भारत को सच्ची आजादी मिली। उन्होंने संविधान को लेकर भी कहा कि 15 अगस्त, 1947 को भारत को अंग्रेजों से राजनीतिक आजादी मिलने के बाद, देश से निकले उस खास नजरिये के दिखाए रास्ते के अनुसार एक लिखित संविधान बनाया गया, लेकिन दस्तावेज के अनुसार नहीं चलाया गया। इस भाषण के बाद राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि श्मोहन भागवत ने देश को यह बताने की जुर्रत की है कि वो स्वतंत्रता आंदोलन और संविधान के बारे में क्या सोचते हैं। वास्तव में, उन्होंने जो कहा वह देशद्रोह है क्योंकि उन्होंने कहा कि हमारा संविधान अमान्य है... कोई और देश होता तो अब तक उन्हें गिरफ्तार करके उन पर मुकदमा चला रहा होता। यह कहना कि भारत को 1947 में आजादी नहीं मिली, हर भारतीय का अपमान है। और हमें इसे सुनना बंद करना होगा। राहुल गांधी ने जो कहा वो बयान कायदे से देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तरफ से पहले ही आ जाना चाहिए था, कि जो देश की आजादी या संविधान के खिलाफ बोलेगा उसे कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। लेकिन न प्रधानमंत्री, न कानून मंत्री ने इस बारे में कोई टिप्पणी की। भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा का बयान आया, मगर उसमें मोहन भागवत के बयान का कोई जिक्र नहीं था और राहुल गांधी पर देश विरोधी ताकत के साथ खड़े रहने का आरोप लगाया गया। क्योंकि राहुल गांधी ने कहा कि हम केवल भाजपा या संघ से नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था के खिलाफ लड़ रहे हैं। अपने भाषण में राहुल ने चुनाव आयोग पर भी सवाल उठाए कि उसे पारदर्शी क्यों नहीं होना चाहिए। इस भाषण ने सीधे–सीधे भाजपा के मर्म पर चोट की और तिलमिलाए जे पी नड्डा ने अब कहा है कि कांग्रेस का इतिहास उन सभी ताकतों को उत्साहित करने का रहा है जो कमजोर भारत चाहते हैं। सत्ता के लिए उनके लालच का मतलब देश की अखंडता से समझौता और लोगों के विश्वास को धोखा देना था। लेकिन भारत के लोग समझदार हैं। उन्होंने फैसला कर लिया है कि वह राहुल गांधी और उनकी सड़ी हुई विचारधारा को हमेशा ठुकराएंगे। अब कांग्रेस की घिनौनी सच्चाई किसी से छिपी नहीं है, अब उनके अपने नेता ने ही इसका पर्दाफाश कर दिया है। यह कोई रहस्य नहीं है कि गांधी और उनके तंत्र का शहरी नक्सलियों के साथ गहरा संबंध है, जो भारत को अपमानित और बदनाम करना चाहते हैं। उन्होंने जो कुछ भी किया या कहा है वह भारत को तोड़ने और हमारे समाज को विभाजित करने की दिशा में है। मोहन भागवत ने हिंदुत्व का झंडा बुलंद करने के लिए आजादी के लिए कुर्बानी देने वालों का अपमान किया तो अब भाजपा अध्यक्ष ने इसमें उनका साथ दिया है, क्योंकि कांग्रेस के इतिहास का जिक्र कर उन्होंने आजादी के पहले और आजादी के बाद कांग्रेस से जुड़े लोगों की शहादत पर दाग लगाने की कोशिश की है।

जावेद अख्तर जन्मदिन: कभी भूखे पेट कटती थीं जावेद अख्तर की रातें

आज करोड़ों दिलों पर कर रहे राज, ऐसा रहा फिल्मी सफर

17 जनवरी को मशहूर कवि, गीतकार और स्क्रीनराइटर जावेद अख्तर साहब अपना 80वां जन्मदिन मना रहे हैं। उन्होंने हिंदी सिनेमा और साहित्य की दुनिया में अपनी मेहनत से खूब नाम कमाया था। जब जावेद अख्तर मुंबई आए, तो उनको काम के लिए दर–दर भटकना पड़ा था। फिर साल 1969 में उनको पहला ब्रेक मिला था। जिसके बाद उनको पीछे मुड़कर देखने की जरूरत नहीं पड़ी। तो आइए जानते हैं उनके बर्थडे के मौके पर जावेद अख्तर के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और परिवार

ग्वालियर में 17 जनवरी 1945 को जावेद अख्तर का जन्म हुआ था। उनके पिता का नाम जांनिसार अख्तर था। जांनिसार अख्तर अपने जमाने के मशहूर शायर रहे थे। मशहूर शख्सियत के बेटे होने के बाद भी जावेद अख्तर को सिनेमा जगत में अपनी पहचान बनाने के खूब संघर्ष करना पड़ा। सलीम खान और जावेद अख्तर भारत के सबसे फेमस लेखक जोड़ी के रूप में फेमस थे।

मुंबई का सफर

बता दें कि महज 19 साल की उम्र में वह 27 रुपए लेकर मुंबई सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर उतरे थे। आंखों में बड़े सपने लिए जावेद अख्तर ने कभी भी हार नहीं मानी। वह चार दिनों तक बिना खाए रहे थे। काफी संघर्ष के बाद बॉलीवुड में उनकी किस्मत चमक गई और उन्होंने राइटर सलीम खान के साथ मिलकर शोले जैसी सुपरहिट फिल्म दीं। साल 1975 में रिलीज हुई शोले के लिए फिल्म के लेखकों को करोड़ों में फीस मिली थी। सलीम खान और जावेद अख्तर ने साथ मिलकर 'दीवार', 'काला पत्थर', 'त्रिशूल', 'डॉन', 'शोले', 'मिस्टर इंडिया' जैसी कई बेहतरीन हिट फिल्में दीं।

लव स्टोरी

जावेद अख्तर की लव स्टोरी भी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। शबाना आजमी से शादी से पहले जावेद अख्तर ने फरहान अख्तर की मां हनी ईरानी से 17 साल की कम उम्र में शादी की थी। शबाना जावेद अख्तर की दूसरी पत्नी हैं। शबाना और जावेद की पहली मुलाकात उस दौरान हुई थी, जब जावेद साहब शबाना आजमी के पिता कैफी आजमी के घर कविताएं सुनाने जाया करते थे। जावेद उनकी आर्ट वर्क के दीवाने थे। लगातार कई मुलाकातों के बाद दोनों के बीच प्यार परवान चढ़ा। फिर जब बात शादी की आई, तो शबाना आजमी की मां इस रिश्ते के खिलाफ थीं। इसकी वजह जावेद साहब का पहले से शादीशुदा होना था। फिर शबाना जब जावेद की जिंदगी में आईं, तो जावेद अख्तर औऱ हनी ईरानी का तलाक हो गया।

> "हिंदी सिनेमा और साहित्य की दुनिया में अपनी मेहनत से खूब नाम कमाया था। जब जावेद अख्तर मुंबई आए, तो उनको काम के लिए दर-दर भटकना पड़ा था। फिर साल १९६९ में उनको पहला ब्रेक मिला था। जिसके बाद उनको पीछे मुड़कर देखने की जरूरत नहीं पड़ी।

दिन से रात तक शूटिंग में व्यस्त परिणीति चोपड़ा बोलीं- ये थकान रियल है

कई दिनों तक रात में शूटिंग करने के बाद अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने अब दिन में शूटिंग करना शुरू कर दिया है। परिणीति ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपनी एक सेल्फी शेयर की है, जिसमें वह सफेद रंग की टी–शर्ट और चेकर्ड पायजामा पहने हुए हैं। अभिनेत्री कैमरे की तरफ देखती हुई नजर आ रही हैं। अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए उन्होंने लिखा, रात की शूटिंग से दिन की शिफ्ट में आना ये थकान रियल है।14 जनवरी को अभिनेत्री नेटफ्लिक्स के साथ अपने आगामी प्रोजेक्ट की शूटिंग में व्यस्त है। उन्होंने अपने कार्यक्रम के बारे में ताजा जानकारी पोस्ट की। उन्होंने सेट से एक बीटीएस तस्वीर साझा करते हुए लिखा, "रात की शूटिंग की हलचल जारी है।"स्टार प्रियंका चोपड़ा जोनास की चचेरी बहन ने रात के आसमान के साथ एक ऑटोरिक्शा की तस्वीरें भी पोस्ट की। परिणीति की स्टोरी में उनकी वैनिटी से एक तस्वीर भी शामिल थी, जिसमें लिखा था, वैन के अंदर से ही। इस बीच उनकी आखिरी पोस्ट एक गर्म पानी की थैली के साथ थी। उन्होंने कैप्शन में लिखा था, मेरे बिना कभी नहीं। इससे पहले परिणीति चोपड़ा ने बांद्रा वर्ली सी लिंक पर शूट से एक तस्वीर शेयर की थी, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा था, दूसरा शेड्यूल शुरू हो रहा है। आज क्यूट लोकेशन है। सूत्रों के मुताबिक, अभिनेत्री फिलहाल अनटाइटल्ड ड्रामा के दूसरे शेड्यूल की शूटिंग कर रही हैं। प्रोजेक्ट के कलाकारों और क्रू के बारे में कोई भी अन्य जानकारी अभी तक सुर्खियों से दूर रखी गई है। परिणीति अनुराग सिंह की बहुप्रतीक्षित थ्रिलर सनकी का भी हिस्सा होंगी। अभिनेत्री वरुण धवन के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करती नजर आएंगी। फिल्म एक पुलिस अधिकारी की कहानी साझा करेगी जो एक मामले की जांच के दौरान एक दुर्घटना के बाद सेवानिवृत्त हो जाता है। इसके अलावा वह करण शर्मा की फिल्म शिद्दत 2 में भी काम कर रही हैं। इस फिल्म में सनी कौशल, अमायरा दस्तूर, मोहित रैना, डायना पेंटी, अर्जुन सिंह और राधिका मदान भी अहम भूमिका में नजर आएंगे।

सैफ अली खान की सर्जरी सफल, एक्टर की टीम ने सभी डॉक्टरों का किया शुक्रिया

अभिनेता सैफ अली खान के स्वास्थ्य को लेकर उनकी टीम की तरफ से बयान जारी किया गया। बयान में कहा गया है कि अब अभिनेता खतरे से बाहर हैं। फिलहाल, वो अस्पताल में हैं और डॉक्टरों की एक टीम उनकी सेहत पर नजर बनाए हुए है। बयान में आगे कहा गया कि अभिनेता की सर्जरी सफल हो चुकी है। वह अब बिल्कुल ठीक हैं। उन्हें किसी भी प्रकार का खतरा नहीं है। वहीं, अभिनेता की टीम ने उन डॉक्टरों का भी शुक्रिया किया, जिन्होंने इस सर्जरी को अंजाम दिया। अभिनेता की सर्जरी करने वालों में डॉ. नीरज उत्तमानी, डॉ. नितिन डांगे, और डॉ. लीना जैन शामिल हैं। इसके साथ ही टीम ने उन सभी फैंस का भी शुक्रिया अदा किया जो अभिनेता के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं। टीम की तरफ से कहा गया है कि हम सभी आप लोगों की प्रार्थना के लिए अपनी तरफ से आभार प्रकट करते हैं। बता दें कि रात करीब दो–तीन बजे चोर ने अभिनेता पर धारदार हथियार से हमला किया था। इसके बाद अभिनेता को उपचार के लिए लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस हमले के संबंध में अभिनेता के परिजनों की तरफ से बयान भी सामने आया था, जिसमें कहा गया है कि एक्टर अब पूरी तरह से सुरक्षित हैं। उन्हें कोई दिक्कत नहीं है। अभिनेता पर चोर ने धारदार हथियार से हमला किया था, जिसका उन्होंने डटकर सामना किया था। यह घटना सुबह 2.15 बजे हुई जब चोर कथित तौर पर उनके बांद्रा स्थित घर में घुस आया और उनके घरेलू सहायक पर हमला किया। बेटे जेह के कमरे में हो रहे शोर से सैफ की नींद खुल गई। वह कमरे के अंदर गए और देखा कि अज्ञात शख्स उनके घरेलू सहायक से बहस कर रहा था। यह देखकर सैफ ने हस्तक्षेप किया, अपराधी से लड़े और निहत्थे घरेलू सहायक को बचाया। पुलिस ने इस हमले के संबंध में एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस इस घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। डीसीपी दीक्षित गेदाम ने बताया कि हमें सूचना मिली थी कि अभिनेता के ऊपर चाकू से हमला हुआ है, जिसके बाद हम घटनास्थल पर पहुंचे। अब हम इस मामले के विभिन्न पहलुओं से जांच कर रहे हैं। घटना के वक्त सैफ की पत्नी करीना घर पर ही थी।

इब्राहिम के साथ नहीं, 7 साल के बेटे तैमूर के साथ घायल अवस्था में अस्पताल पहुंचे थे सैफ अली खान, डॉक्टर्स के कई खुलासे

अभिनेता सैफ अली खान को गुरुवार को तड़के मुंबई के लीलावती अस्पताल ले जाया गया, जब उनके घर में चोरी की कोशिश के बाद उनपर चाकू से कई बार वार किया गया। शुक्रवार को जारी आधिकारिक बयान में डॉक्टरों ने बताया कि सैफ के बेटे तैमूर अली खान नामक एक 7 वर्षीय बच्चा उनके साथ अस्पताल गया था। इससे पहले, कई रिपोर्टों में कहा गया था कि इब्राहिम अली खान ही अभिनेता को अस्पताल ले गए थे। डॉक्टरों ने ब्रीफिंग के दौरान मीडिया को बताया कि सैफ आज चलने लगे हैं और उनकी हालत में सुधार हो रहा है। लीलावती अस्पताल के मुख्य परिचालन अधिकारी नीरज उत्तमानी ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, जब सैफ अली खान अस्पताल आए तो मैं उनसे मिलने वाला पहला व्यक्ति था। वह खून से लथपथ थे, लेकिन वह अपने छोटे बच्चे तैमूर के साथ शेर की तरह चल रहे थे। सैफ अली खान एक असली हीरो हैं। उनकी हालत में सुधार हो रहा है। उन्हें आईसीयू से सामान्य कमरे में शिफ्ट कर दिया गया है। डॉक्टरों ने मीडिया को बताया कि उन्होंने सैफ के कमरे में आगंतुकों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है, क्योंकि वे नहीं चाहते कि सैफ को कोई संक्रमण हो। सैफ पर हमलावर ने चाकू से छह बार वार किया। वह अस्पताल पहुंचा तो चाकू उसके शरीर में ही था। सर्जरी के दौरान डॉक्टरों ने चाकू बरामद किया, जिसका एक दृश्य भी शुक्रवार को ऑनलाइन सामने आया। इस बीच, पुलिस ने हमले के सिलसिले में एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है। हालांकि, मुंबई के बांद्रा इलाके में सतगुरु शरण बिल्डिंग में हुई घटना के 35 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बाद भी हमलावर की तलाश जारी है। मुंबई पुलिस ने हमलावर का पता लगाने और उसे पकड़ने के लिए 35 टीमें बनाई हैं, जिसने अभिनेता के दो कर्मचारियों को भी घायल कर दिया।

हमारा परिवार इस मुश्किल समय से निपटने की कोशिश कर रहा है : करीना

अभिनेत्री करीना कपूर खान ने बांद्रा स्थित घर मेंपति सैफ अली खान पर हुए हमले के बाद बृहस्पतिवार को कहा कि उनका परिवार अभी भी इस चुनौतीपूर्ण समय से निपटने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने मीडिया से अनुरोध किया कि वह उनके परिवार को थोड़ा समय दे ताकि वे इस मुश्किल से बाहर निकल सकें। मुंबई के बांद्रा इलाके में बुधवार देर रात अभिनेता सैफ अली खान के घर में घुसकर एक हमलावर ने उन पर चाकू से कई बार वार किया, जिसमें वह घायल हो गए। इस घटना के बाद शहर में फिल्मी हस्तियों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठाये जा रहे हैं। लीलावती अस्पताल के चिकित्सकों ने बताया कि सैफ (54) आपातकालीन सर्जरी के बाद "खतरे से बाहर" हैं। यह हमला कल रात करीब 2:30 बजे सतगुरु शरण इमारत की 12वीं मंजिल पर स्थित सैफ के अपार्टमेंट में उनके छोटे बेटे जेह के कमरे के बाहर हुआ। करीना ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक बयान में कहा कि परिवार अभी भी इस चुनौतीपूर्ण दिन से निपटने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने शुभचिंतकों और प्रशंसकों के प्यार और चिंता के लिए उनके प्रति आभार व्यक्त किया तथा मीडिया व पत्रकारों से अनुरोध किया कि वे इस घटना को लेकर निरंतर अटकलें लगाने से बचें। उन्होंने लिखा, "यह हमारे परिवार के लिए एक चुनौतीपूर्ण दिन रहा है और हम अब भी उन घटनाओं को समझने की कोशिश कर रहे हैं जो सामने आई हैं। हम इस कठिन समय से गुजर रहे हैं, ऐसे में मैं मीडिया से सम्मानपूर्वक और विनम्रतापूर्वक अनुरोध करती हूं कि वे अटकलें लगाने से बचें।

> "करीना ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक बयान में कहा कि परिवार अभी भी इस चुनौतीपूर्ण दिन से निपटने की कोशिश कर रहा है।

मुख्य दरवाजे पर भूलकर ना रखें जूता रैक, घर की सुख-शांति के लिए ध्यान में रखें ये नियम

वास्तु के अनुसार अगर घर में वस्तुएं गलत जगह पर रखी होती हैं तो नकारात्मकता का सामना भी करना पड़ सकता है। जिस तरह घर में किचन, मंदिर और बेडरूम में रखी हुई चीजों के लिए वास्तु जरूरी होता है उसी तरह मुख्य दरवाजे को लेकर भी कुछ नियम है। यहां मुख्य दरवाजे को वास्तु के अनुसार सही और शुभ बनाने के लिए कुछ महत्वपूर्ण टिप्स दिए जा रहे हैं।

मुख्य दरवाजे के पास ना रखें जूता रैक

मुख्य दरवाजे के पास जूता रैक रखने से नकारात्मक ऊर्जा प्रवेश करती है। यह घर के अंदर सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह को बाधित करता है और परिवार के सदस्यों के स्वास्थ्य और समृद्धि पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। मुख्य दरवाजे के आसपास साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें। दरवाजे के पास कूड़ा-कचरा या गंदगी जमा न होने दें, क्योंकि यह नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करता है।

मुख्य दरवाजे पर अच्छी रोशनी का प्रबंध करें

मुख्य दरवाजे पर अच्छी रोशनी होनी चाहिए। अंधेरा या मंद रोशनी घर में नकारात्मक ऊर्जा को प्रवेश करने देती है। रोशनी से भरा प्रवेश द्वार घर में सकारात्मकता और शुभता लाता है। दरवाजे पर मंगलकारी चिन्ह जैसे स्वस्तिक या ओम का प्रतीक लगाना शुभ माना जाता है। यह सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करता है और घर में शांति और समृद्धि बनाए रखता है।

दरवाजे की दिशा का ध्यान रखें

मुख्य दरवाजे की दिशा का विशेष ध्यान रखें। वास्तु के अनुसार, मुख्य दरवाजा उत्तर, पूर्व या उत्तर-पूर्व दिशा में होना सबसे शुभ माना जाता है। यह दिशाएं सकारात्मक ऊर्जा और प्राकृतिक रोशनी को घर में लाने में सहायक होती हैं। मुख्य दरवाजे के पास ताजगी और सुगंध बनाए रखने के लिए वहां ताजे फूलों का गुलदस्ता या सुगंधित अगरबत्ती जलाना शुभ होता है। यह घर के वातावरण को सकारात्मक और ऊर्जावान बनाए रखता है।

शॉर्ट और कर्वी फिगर वाली महिलाएं भूलकर भी न पहनें इस तरह के कपड़ें, अवॉयड करें ये ड्रेसिंग सेंस

हाइट छोटी हो या बड़ी, फिगर चाहे कर्वी हो या स्लिम, आप इन चीजों पर ध्यान देंगी तो आप भी काफी अट्रैक्टिव दिखेंगी। अपनी स्टाइल को बेहतरीन बनाने के लिए आपको बस कुछ टिप्स फॉलो करने होंगी। यदि आप अपने फिगर और साइज के मुताबिक कपड़ें और जूते लेंगे, तो आप काफी अट्रैक्टिव और खूबसूरते दिखेंगी। आखिर कौन-सी स्टाइलिंग मिस्टेक हैं, जिन्हें कपड़ें और जूतों को सेलेक्ट करते समय भूलकर भी नहीं करने चाहिए।

ना पहनें लूज फिटिंग स्ट्रेट जींस

यदि आपकी हाइट कम है और ऊपर से आपका कर्वी फिगर है, तो आप भूलकर भी लूज फिटिंग और स्ट्रेट फिट जींस को ना पहनें। इससे आपका लुक और भी ज्यादा छोटा दिखेगा।

कलर ब्लॉक टॉप

अगर आप टॉप वियर करते हैं, तो आप कभी डार्क, ढेर सारे कलर ब्लॉक पैटर्न और बड़े प्रिंट के कपड़े बिल्कुल भी ना पहनें। जो यह आपकी कमर पर ही खत्म हो जाते हैं। इस तरह के लुक आपके हाइट को भी छोटा दिखाते हैं।

शॉर्ट लेंथ ड्रेसेज

यदि आपकी हाइट कम है और कर्वी फिगर है, तो आप शॉर्ट ड्रेसेज ना पहनें। यह आपके लुक को और भी ज्यादा छोटा दिखाएगी इसलिए मैक्सी या नी लेंथ ड्रेसेज पहनें। इससे आपका लुक काफी सुंदर दिखेगा।

राउंड शेप फुटवियर

छोटी हाइट और कर्वी फिगर वाले इस बात का ध्यान रखें कि वह राउंड शेप फुटवियर नहीं पहनें चाहिए। इसकी जगह आप बूट्स, पम्पस या फिर सैंडिल, प्वाइंटेड ही अट्रैक्टिव दिखेंगी।

स्वेटर-शॉल पर आ गए हैं रोएं तो निकालने के लिए अपनाएं ये तरीके, काम का है ये नुस्खा

दिसंबर और जनवरी का महीना आते-आते कई राज्यों में सर्दी ने जोर पकड़ लिया है। पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी का असर मैदानी इलाकों में भी देखने को मिल रहा है। सर्दी से बचने के लिए हम सभी ऊनी कपड़ों का सहारा लेते हैं। लेकिन गर्म कपड़ों में रोएं निकलने से हर कोई परेशान रहता है। एक-दो धुलाई के बाद वूलेन कपड़ों में रोएं निकल आते हैं। जिसकी वजह से महंगे से महंगा कपड़ा पुराना नजर आने लगता है। लेकिन आप कुछ आसान हैक्स की मदद से आप इनको आसानी से हटा सकते हैं। इसके साथ ही आपको कुछ सावधानियां बरतनी चाहिए। जिससे कि इन कपड़ों में रोएं न लगें। वहीं रोएं की वजह से आपका कपड़ा खराब हो रहा है, तो आप कंघी वाली ट्रिक आजमा सकती हैं।

कपड़ों से क्यों निकलते हैं रोएं

कपड़ों को गलत तरीके से धोने या सुखाने से रोएं निकलने लगते हैं।

ऊनी कपड़े पहनकर सोने से भी कपड़ों में रोएं निकलने लगते हैं।

ऊनी कपड़ों को गर्म पानी से धोने से रोएं भी निकलने लगते हैं।

सस्ती और खराब क्वालिटी का ऊन होने पर रोएं निकल सकते हैं।

कंघी से हटाएं रोएं

आप कंघी की मदद से भी वूलेन कपड़ों से रोएं हटा सकती हैं। सबसे अच्छी बात ये है कि इसमें किसी तरह का कोई खर्च नहीं आता है। आप रोएं वाली जगह पर कंघी को घुमाना होगा। ऐसे में कंघी में रोएं फंसकर साफ हो जाएंगे। ध्यान रखें कि रोएं निकालने के लिए पतली कंघी लेनी होगी।

इन ट्रिक्स से निकालें रोएं

आप पैकिंग टेप की सहायता से आसानी से रोएं निकाल सकते हैं। इसके लिए रोएं पर टेप लगाएं।

इसके अलावा वूलेन कपड़ों को विनेगर में भिगोकर रखें, इससे रोएं आसानी से निकल सकते हैं।

आप शेविंग रेजर की सहायता से भी रोएं निकाल सकते हैं। लेकिन ध्यान रखें कि रोएं निकालते समय कपड़े को कोई नुकसान न हो।

वहीं अगर आपके पास लिंट रिमूवर है, तो यह बेस्ट ऑप्शन होगा।

ऐसे धोएं ऊनी कपड़े

बता दें कि बहुत सारे लोग ऊनी कपड़ों को गर्म पानी से धोते हैं, जिसकी वजह से कपड़ों में रोएं निकल आते हैं। बल्कि गर्म पानी से धोने से इसकी बनावट भी खराब हो जाती है। इसलिए सबसे अच्छा तरीका है कि आप वूलेन कपड़ों को गर्म पानी से धोएं। वहीं अगर आप वूलेन कपड़ों को वॉशिंग मशीन में धोते हैं, तो आपको वूल या डेलिकेट मोड ऑन करें। अगर आप हाथ से इन कपड़ों को धोते हैं, तो ज्यादा बेहतर रहेगा। गर्म कपड़ों को सही तरीके से धोने से गर्म कपड़ों में रोएं की कोई परेशानी नहीं होती है।

बाजू की लटकती चर्बी ने कर दिया है शर्मिंदा, तो जिम और डाइटिंग के बिना इस तरह पाएं स्लिम आर्मस

शरीर के किसी भी हिस्से में चर्बी बढ़ने से इंसान न ही तो कम्फर्टेबल रह पाता हैं और न ही कॉन्फिडेंट फील करता है। ऊपरी बाहों की चर्बी भी कई लोगों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकती है। ऐसे में इस समस्या से राहत पाने का सबसे अच्छा तरीका है योगासन, यह ना सिर्फ आपको ऊपरी बाहों की चर्बी कम करने में मदद करेगा, बल्कि आपकी बाहों को मजबूत और लचीला भी बनाता हैं। यहां कुछ प्रभावी योगासन बताए गए हैं जो आपकी बाहों की चर्बी कम करने में सहायक हो सकते हैं।

अधो मुख श्वासन

सबसे पहले मेट पर अपने हाथों और घुटनों के बल खड़े हों। धीरे-धीरे अपने घुटनों को उठाएं और अपने कूल्हों को ऊपर की ओर ले जाएं, ताकि आपके शरीर का आकार उलटे वी जैसा हो जाए। अपने हाथों और पैरों को सीधा रखें, और सिर को नीचे की ओर झुकाएं।इस स्थिति में 30 सेकंड से 1 मिनट तक रहें और फिर धीरे-धीरे वापस आएं। यह आसन बाहों, कंधों और पीठ को मजबूत करता है और ऊपरी बाहों की चर्बी कम करने में मदद करता है।

चतुर्वांकासन

पेट के बल लेटकर अपने हाथों और पैरों के बल उठें, जैसे पुश-अप्स में करते हैं। अपने शरीर को सिर से लेकर एड़ी तक एक सीध में रखें।अपने पेट की मांसपेशियों को कस कर रखें और अपनी बाहों पर दबाव बनाए रखें। इस स्थिति में 30 सेकंड से 1 मिनट तक रहें। प्लैंक पोज बाहों, कंधों, और पेट की मांसपेशियों को मजबूत करता है और चर्बी को कम करने में मदद करता है।

भुजंगासन

पेट के बल लेट जाएं, अपने हाथों को कंधों के नीचे रखें। अपने शरीर के ऊपरी हिस्से को धीरे-धीरे उठाएं, हाथों को सीधा करते हुए अपने सिर और छाती को ऊपर की ओर ले जाएं। इस स्थिति में 15-30 सेकंड तक रहें और फिर धीरे-धीरे वापस आएं। यह आसन बाहों और कंधों को मजबूत करता है और ऊपरी बाहों की चर्बी को कम करता है।

उष्ट्रासन

घुटनों के बल बैठें और अपनी एड़ियों को पकड़ें। अपने कूल्हों को आगे की ओर धकेलें और अपने सिर और छाती को पीछे की ओर झुकाएं। इस स्थिति में 20-30 सेकंड तक रहें और धीरे-धीरे वापस आएं। यह आसन बाहों और कंधों को लचीलापन और मजबूती प्रदान करता है, जिससे चर्बी कम करने में मदद मिलती है।

त्रिकोणासन

अपने पैरों को चौड़ा फैलाएं और अपने हाथों को कंधों के स्तर पर फैलाएं। अपने दाएं पैर को 90 डिग्री के कोण पर घुमाएं और अपने शरीर को दाईं ओर झुकाएं, अपने दाहिने हाथ से जमीन को छूने की कोशिश करें। बायां हाथ सीधा ऊपर की ओर रखें और सिर को बाईं ओर घुमाएं। इस स्थिति में 20-30 सेकंड तक रहें और फिर दूसरी तरफ से दोहराएं। त्रिकोणासन बाहों, कंधों, और जांघों को टोन करता है और चर्बी को कम करने में सहायक होता है।

स्वाद और हेल्थ में एकदम परफेक्ट हैं मोरिंगा के लड्डू, नोट करें रेसिपी

मोरिंगा सेहत के लिए बेहद ही फायदेमंद होता है। मोरिंगा लीव्स में कई पोषक तत्व पाए जाते हैं, जिसके सेवन से शरीर दुरुस्त बनता है। मोरिंगा सर्दियों मे इम्यूनिटी बढ़ाने से लेकर हड्डियों को मजबूत करने, त्वचा और बालों को पोषण भी देता है। इस लेख में हम आपको मोरिंगा के लड्डू की रेसिपी बताने जा रहे हैं, जो सेहत के लिए काफी हेल्थी है। आइए आपको बताते हैं मोरिंगा के लड्डू की रेसिपी।

मोरिंगा के लड्डू के लिए सामग्री

- 2 कप मोरिंगा के पत्तों का पाउडर
- 1 कप नारियल कसा हुआ
- 1 कप मेवे
- 1/2 कप खजूर
- 4 बड़ा चम्मच शहद
- 1/2 कप सूरजमुखी के बीज
- 1/2 छोटा चम्मच इलायची पाउडर
- घी

मोरिंगा लड्डू कैसे बनाएं

– सबसे पहले आप एक पैन लें और मीडियम आंच पर रखें। इसमें कसा हुआ नारियल डालें और सुनहरा भूरा और खुशबूदार होने तक भून लीजिए।

– जलने से बचाने के लिए इसे लगातार चलाते रहें। जब यह भून जाएं तो इसे एक तरफ रख दें।

– सूरजमुखी के बीजों को भी ऐसे ही भून लें।

– इसके बाद बादाम, काजू, अखरोट, किशमिश, पिस्ता आदि ड्राई फ्रूट लें और उन्हें बारीक काट लें। इनको आप ब्लेंडर में पीसकर बारीक पाउडर भी बना लें।

– अब ब्लेंडर में धुले हुए खजूर डालें, लेकिन इनके बीज निकाल दें। तब तक ब्लेंड करें। जब तक यह चिपचिपा पेस्ट न हो जाए।

–एक बड़ा कटोरा लें और उसमें मोरिंगा के पत्तों का पाउडर, भुना हुआ नारियल, मूंगफली, खजूर का पेस्ट, शहद, सूरजमुखी के बीज और इलायची पाउडर मिलाएं। तब तक मिलाएं जब तक सभी सामग्री अच्छी तरह से मिल न जाएं।

– इसके बाद हाथों पर घी लगाकर चिकना कर लें ताकि वे चिपके नहीं और मोरिंगा लड्डू मिश्रण का एक छोटा हिस्सा लें। इसे हथेलियों के बीच में रोल करें और इसे चिकने लड्डू का आकार दें।

– अब मोरिंगा लड्डू को कम से कम 30 मिनट के लिए फ्रिज में रख दें और आपका लड्डू बनकर तैयार है।

संक्षिप्त

धोखाधड़ी वाले फोन कॉल पर लगामः दूरसंचार विभाग ने 'संचार साथी' मोबाइल ऐप पेश की

नयी दिल्ली, एजेंसी। दूरसंचार विभाग ने 'संचार साथी' मोबाइल ऐप पेश की। इससे लोगों को अपने मोबाइल फोन 'कॉल लॉग' से धोखाधड़ी की किसी भी संदिग्ध सूचना की सीधे रिपोर्ट करना आसान हो जाएगा। दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने इसके साथ दूरसंचार विभाग की दो अन्य पहलों राष्ट्रीय ब्रॉडबैंड मिशन 2.0 के लिए दृष्टिकोण तथा 'डिजिटल भारत निधि' से वित्तपोषित 4जी मोबाइल साइट पर 'इंट्रा सर्किल रोमिंग' की भी शुरुआत की दूरसंचार विभाग का 2023 में पेश किया गया 'संचार साथी' मंच धोखाधड़ी वाली फोन कॉल के खिलाफ कार्रवाई में एक प्रभावी तंत्र साबित हुआ है। नया ऐप ग्राहकों के लिए सुरक्षित परिवेश सुनिश्चित कर इन प्रयासों को दोगुना कर देगा। ऐप पेश करते हुए सिंधिया ने कहा कि 'संचार साथी' पहल '' एक सुरक्षित परिवेश प्रदान करती है जहां प्रत्येक ग्राहक की गोपनीयता तथा सुरक्षा सुरक्षित रहती है।

मंत्रिमंडल ने 687 मेगाहट्र्ज स्पेक्ट्रम की 'रिफॉर्मिंग' को मंजूरी दी : ज्योतिरादित्य सिंधिया

नयी दिल्ली, एजेंसी। दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मोबाइल सेवाओं के लिए 687 मेगाहट्र्ज स्पेक्ट्रम की 'रिफार्मिंग' को मंजूरी दे दी है। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा गठित सचिवों की समिति के अध्ययन के आधार पर अन्य कदम उठाए जाएंगे। उद्योग संगठन सीओएआई के एक कार्यक्रम में मंत्री ने कहा कि मोबाइल सेवाओं को 2030 तक 2,000 मेगाहट्र्ज स्पेक्ट्रम की आवश्यकता होगी और कैबिनेट के फैसले से रेडियो तरंगों की

कुल मात्रा 1,587 मेगाहट्र्ज हो जाएगी। डिजिकॉम शिखर सम्मेलन 2025 में सिंधिया ने कहा, '' कल मंत्रिमंडल ने 687 मेगाहट्र्ज की 'रिफार्मिंग' को मंजूरी दे दी है। इसका मतलब है कि यह हमें 900 मेगाहट्र्ज से 1,587 मेगाहट्र्ज तक ले जाएगा। 320 (मेगाहट्र्ज) तुरंत जारी किया जाएगा, कुछ अगले साल के अंत तक और कुछ 2028–29 के अंत तक जो हमें 2030 के लिए तैयार करेगा।'' उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि उद्योग की आवश्यकताएं पूरी हों और देश के डिजिटल दूरसंचार परिदृश्य में कोई बाधा न आए। सिंधिया ने कहा, '' इसके बाद भी करीब 300 मेगाहट्र्ज का अंतर रह जाता है। मांग अभी खत्म नहीं हुई है। सचिवों की समिति इसके दूसरे दौर पर काम कर रही है। रिपोर्ट इस साल के मध्य तक आ जाएगी। हम यह सुनिश्चित करने के लिए काम करेंगे कि भारत में हमारे डिजिटल दूरसंचार परिदृश्य के विकास में कोई बाधा न आए।

रुपया शुरुआती कारोबार में तीन पैसे की बढ़त के साथ 86.58 प्रति डॉलर पर

अमेरिकी मुद्रा में नरमी के बीच रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में तीन पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.58 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और अस्थिर वैश्विक रुझानों के बीच घरेलू बाजारों से विदेशी पूंजी की निकासी जारी रही जिसका प्रभाव भी भारतीय मुद्रा पर पड़ा। अंतरबैंक विदेशी

मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 86.60 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले यह 86.58 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले तीन पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया बृहस्पतिवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.61 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0. 02 प्रतिशत की गिरावट के साथ 108.80 पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.39 प्रतिशत चढ़कर 81.61 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बृहस्पतिवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 4,341.95 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

तीन दिनों की बढ़त के बाद बाजार का मूड फिर बिगड़ा, सेंसेक्स–निफ्टी लाल निशान पर हुए बंद

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन तीन दिनों की बढ़त गंवाकर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 423.49 (0.54:) अंक गिरकर 76,619.33 पर पहुंच गया। वहीं निफ्टी 108.60 (0.47:) अंकों की गिरावट के साथ 23,203.20 के स्तर पर बंद हुआ। रिलायंस के शेयरों में तीसरी तिमाही के नतीजों के बाद 2.79: की बढ़त दर्ज की गई। वहीं, विप्रो ने भी शुक्रवार को अपने नतीजे जारी कर दिए।

बीसीसीआई ने 10 सूत्री निर्देश जारी किए, घरेलू क्रिकेट अनिवार्य, परिवार के दौरे पर रहने पर पाबंदी

दस्तावेज में यह भी कहा गया है कि अब से खिलाड़ियों को दौरे के दौरान अलग से यात्रा करने की अनुमति नहीं होगी तथा दौरे या मैच के जल्दी समाप्त होने की स्थिति में उन्हें जल्दी नहीं जाने दिया जाएगा।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय क्रिकेट टीम में 'अनुशासन और एकजुटता' को बढ़ावा देने के लिए 10 सूत्री नीति जारी की जिसमें घरेलू क्रिकेट में खेलना अनिवार्य, दौरे पर परिवार और निजी स्टाफ की मौजूदगी पर पाबंदी और श्रृंखला के दौरान व्यक्तिगत विज्ञापन पर प्रतिबंध जैसे कई उपाय शामिल हैं। इस नीति का पालन नहीं करने पर खिलाड़ियों पर जुर्माना लगाया जाएगा जिसमें केंद्रीय अनुबंधों से उनकी रिटेनर फीस में कटौती और लुभावनी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भाग लेने पर रोक शामिल है। ऑस्ट्रेलिया के दौरे में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद इन निर्देशों की घोषणा की गई है जिसके पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में वाइटवाश का सामना करना पड़ा था। बोर्ड ने विदेशी दौरों के दौरान खिलाड़ियों के साथ परिवारों के रहने के लिए केवल दो सप्ताह की अवधि को मंजूरी दी है, इसके अलावा निजी स्टाफ और व्यावसायिक फोटो शूट पर प्रतिबंध लगाए हैं। बोर्ड की नीति में कहा गया है, ''इसमें किसी भी अपवाद या विचलन को चयन समिति के अध्यक्ष और मुख्य कोच द्वारा पूर्व–अनुमोदित किया जाना चाहिए। इसका पालन नहीं करने पर बीसीसीआई द्वारा उचित समझी जाने वाली अनुशासनात्मक कार्रवाई हो सकती है।'' नीति में चेताया गया, ''इसके

अलावा बीसीसीआई किसी खिलाड़ी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का अधिकार सुरक्षित रखता है जिसमें संबंधित खिलाड़ी को आईपीएल सहित बीसीसीआई द्वारा आयोजित सभी टूर्नामेंटों में भाग लेने से रोकना और बीसीसीआई के खिलाड़ी अनुबंध के अंतर्गत रिटेनर राशि या मैच फीस से कटौती करना शामिल हो सकता है।'' इस दस्तावेज में यह भी कहा गया है कि अब से खिलाड़ियों को दौरे के दौरान अलग से यात्रा करने की अनुमति नहीं होगी तथा दौरे या मैच के जल्दी समाप्त होने की स्थिति में उन्हें जल्दी नहीं जाने दिया जाएगा।

कोहली–रोहित, गिल और पंत को रणजी खेलने पर मिलेगी इतनी सैलरी, जानें क्या है BCCI का नियम

टीम इंडिया के स्टार क्रिकेटर कई माध्यमों से करोड़ों रुपये कमाते हैं। उन्हें बीसीसीआई द्वारा ग्रे ए, बी, सी और डी में रखा गया है उसी के माध्यम से उन्हें सैलरी भी मिलती है। वहीं टीम के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली, रोहित शर्मा, शुभमन गिल, ऋषभ पंत, रविंद्र जडेजा, केएल राहुल अगर रणजी ट्रॉफी में खेलते हैं तो उन्हें एक मैच के लिए कितनी सैलरी मिलेगी और इसे लेकर बीसीसीआई के क्या नियम है इसके बारे में विस्तार से जानें। अगर इस रणजी सीजन की हो तो इसके दूसरे लेग में शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत का खेलना तय है। शुभमन गिल जहां पंजाब के लिए खेलेंगे तो वहीं यशस्वी जायसवाल मुंबई के लिए खेलेंगे जबकि ऋषभ पंत और विराट कोहली दिल्ली के लिए खेलते हुए दिखेंगे। हालांकि, विराट कोहली, रविंद्र जडेजा, केएल राहुल और रोहित शर्मा के खेलने पर अभी भी सस्पेंस है। बता दें कि, रणजी ट्रॉपी खेलने वाले खिलाड़ियों की सैलरी को लेकर बीसीसीआई के नियम के तहत इन स्टार खिलाड़ियों के लिए नियम हैं। बीसीसीआई की तरफ से रणजी खेलने वाले खिलाड़ियों को 3 स्लैब में सैलरी दी जाती है जो मैच खेलने पर निर्धारित है।

रणजी में सैलरी को लेकर बीसीसीआई के नियम

जिन खिलाड़ियों ने 41 से 60 फर्स्ट क्लास मैच खेले हैं उन्हें एक दिन के 60 हजार रुपये मिलते हैं। इसका मतलब है कि 4 दिवसीय मैच के लिए उनकी मैच फीस 2.40 लाख रुपये होती है। रिजर्व खिलाड़ियों के लिए 30 हजार रुपये प्रतिदिन है। 21 से 40 फर्स्ट क्लास मैच खेलने वाले खिलाड़ियों को एक दिन के 50 हजार रुपये मिलते हैं, यानी एक 4 दिवसीय मैच के लिए 2 लाख रुपए। रिजर्व के लिए 25 हजार रुपये प्रतिदिन। 0 से 20 फर्स्ट क्लास मैच खेलने वाले प्लेयर्स को एक दिन के 40 हजार रुपये मिलते हैं। यानी एक 4 दिवसीय मैच के 1.60 लाख रुपये। रिजर्व के लिए 20,000 रुपये प्रतिदिन।

गैर–खिलाड़ी टीम के सदस्य 25 हजार रुपये प्रतिदिन।

अब बात विराट कोहली, रोहित शर्मा, शुभमन गिल, ऋषभ पंत, केएल राहुल, रविंद्र जडेजा की सैलरी की बात रणजी में की जाए तो इन सभी खिलाड़ियों ने 60 से ज्यादा फर्स्ट क्लास मैच खेले हैं और इन सभी को एक दिन के 60 हजार मिलेंगे और एक मैच के लिए इनकी फीस 2.40 लाख रुपये होगी। वहीं विराट कोहली ने अब तक 155 फर्स्ट क्लास मैच खेले हैं जबकि गिल ने 60 खेले हैं। वहीं पंत ने 68 मैच तो रोहित शर्मा ने 128 जबकि केएल राहुल ने 103 मैच अब तक खेले हैं। रविंद्र जडेजा अब तक 135 फर्स्ट क्लास मैच खेल चुके हैं और ये सभी खिलाड़ी एक ही सैलरी स्लैब में आते हैं। यशस्वी जायसवाल ने अब तक 35 फर्स्ट क्लास मैच खेले हैं और सैलरी स्लैब के हिसाब से उन्हें एक दिन के 50 हजार रुपये मिलेंगे यानी एक मैच के लिए उनकी सैलरी 2 लाख रुपये होगी।

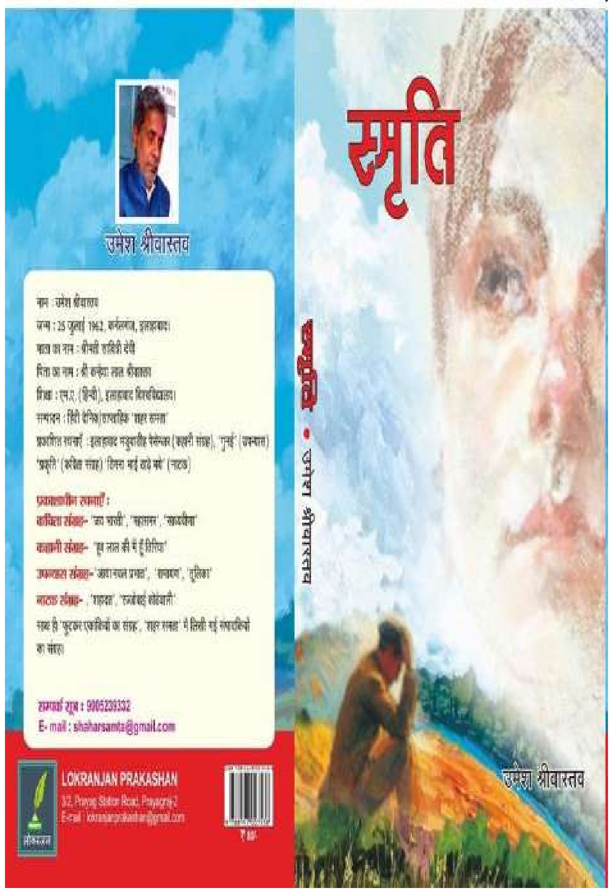

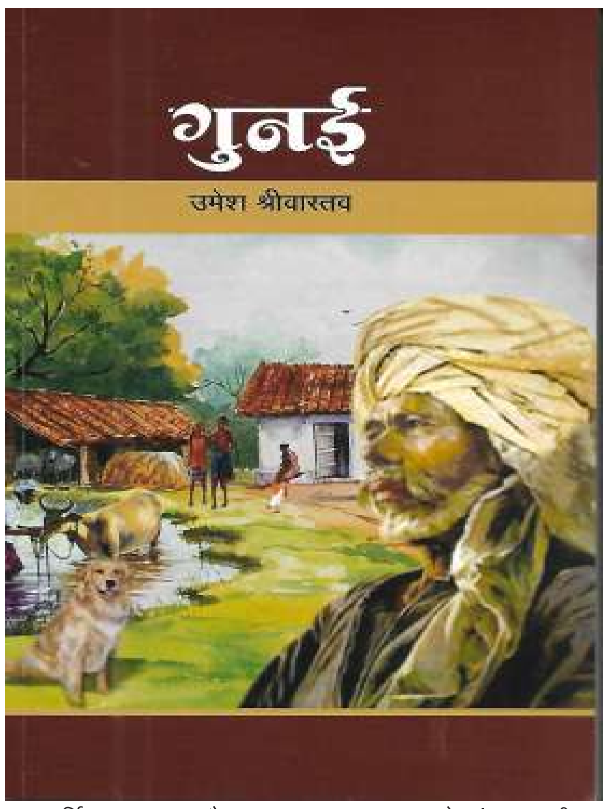

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

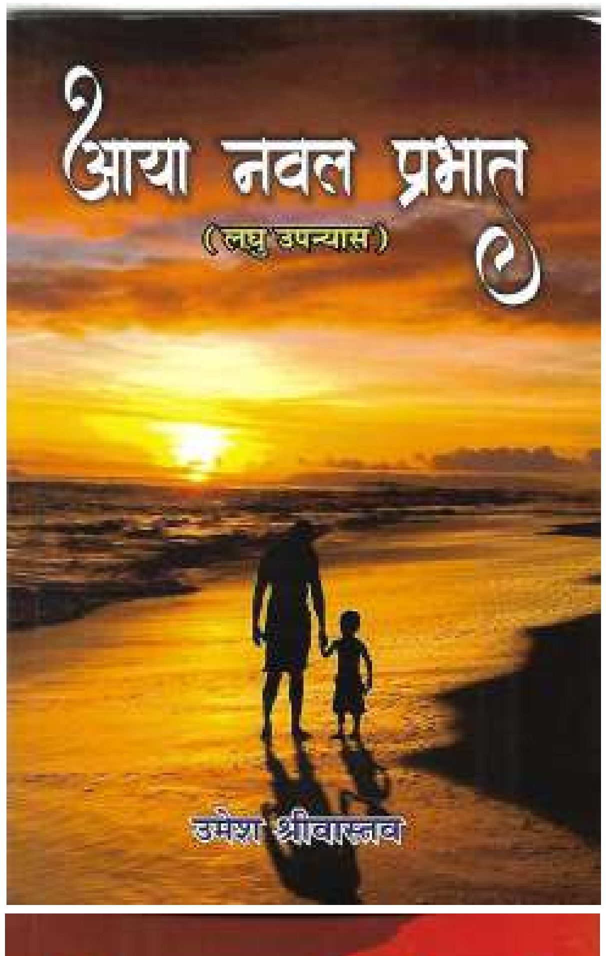

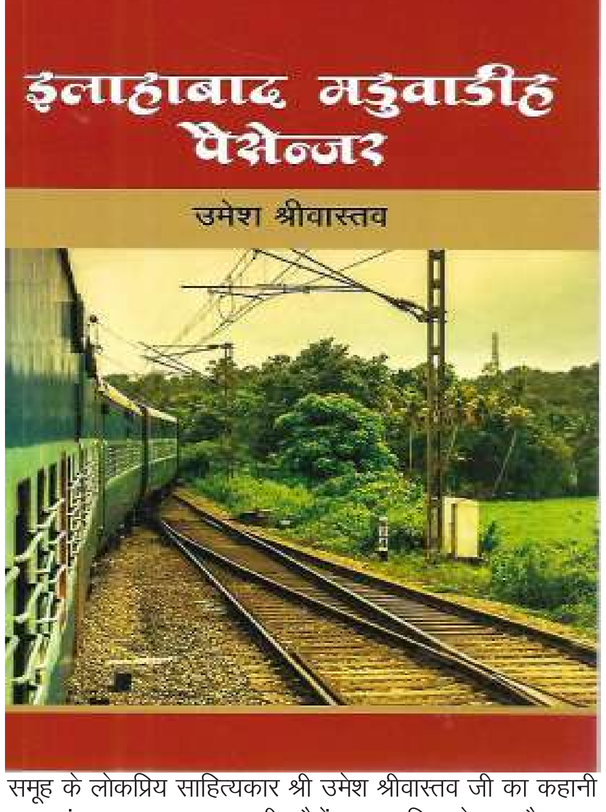

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

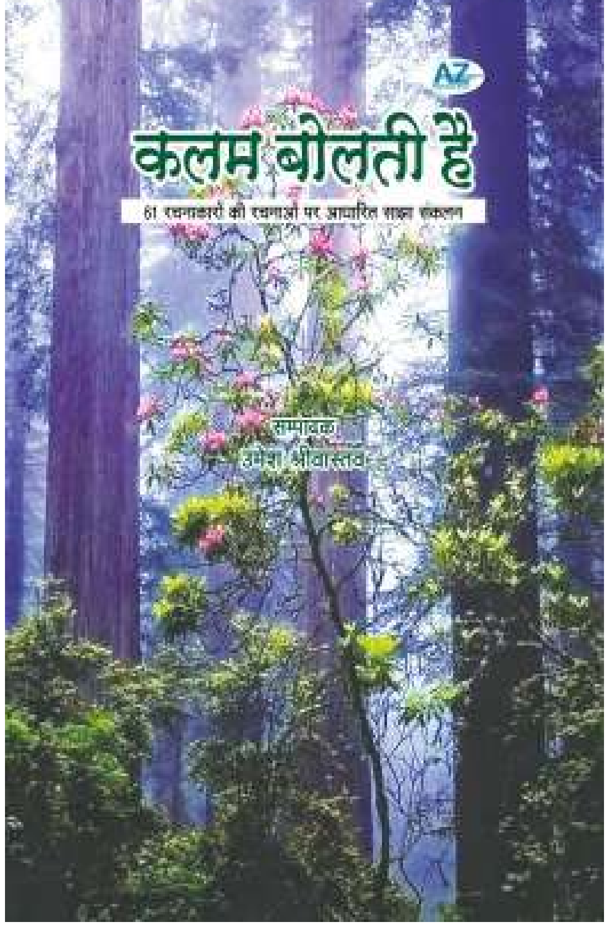

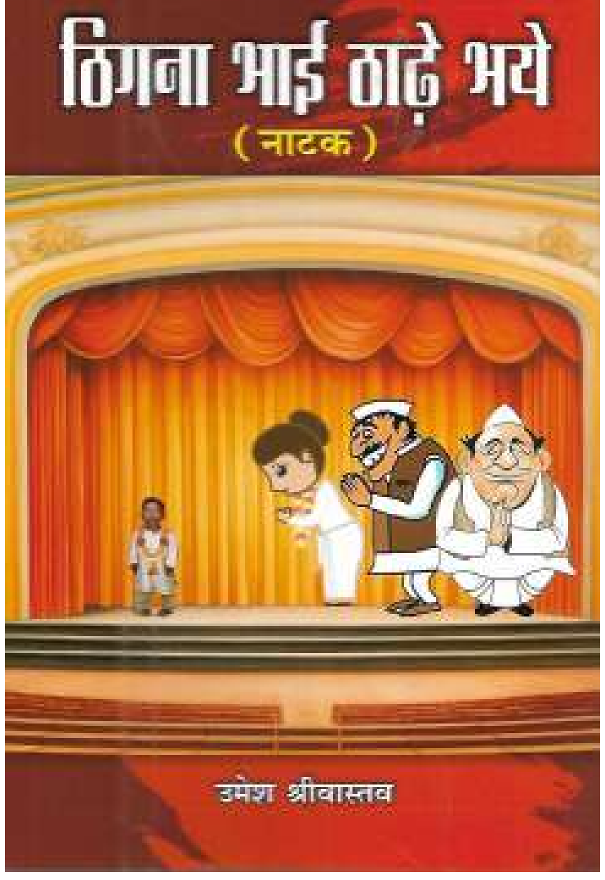

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

ज्तनउच की शपथ के साथ ही भारत में बदल जाएगा सबकुछ! अमेरिका से आने वाला है नया राजदूत

20 जनवरी की तारीख में अब बस दो दिन का वक्त शेष रह गया है। 20 जनवरी को डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने वाले हैं। अमेरिका में ट्रंप के सत्ता संभालने के साथ ही बहुत कुछ बदलने वाला है। ट्रंप के कुर्सी पर काबिज होते ही एक से बढ़कर एक नए फैसलों का सिलसिला भी शुरू हो जाएगा। अमेरिका में राष्ट्रपति के बदलते ही दुनिया बदलावों का सिलसिला देखेगी। ट्रंप के आते ही कुछ सख्त फैसले भी लिए जाएंगे और कुछ नई नियुक्तियां भी होंगी। इसकी शुरुआत भारत में हो भी चुकी है। भारत में अमेरिकी राजदूत गर्सेटी भी अब अपनी सेवाओं को खत्म कर अमेरिका वापस लौट रहे हैं। इसके साथ ही भारत नए राजदूत पहुंचने वाले हैं। इसके साथ ही भारत सरकार के मन में सबसे बड़ा सवाल है कि ट्रंप प्रशासन भारत में नए राजदूत के रूप में किसे भेजने वाली है। ये कौन होगा इसके लिए तो फिलाहल थोड़ा इंतजार करना होगा। भारत में अमेरिका के राजदूत का कार्यकाल खत्म हो चुका है। अमेरिका के दिल्ली में तैनात एंबेसडर एरिक गर्सेटी भारत में अपना आखिरी भाषण भी दे चुके हैं और उनका फेयरवेल भी हो चुका है। अपने आखिरी भाषण में एरिक ने भारत की जमकर तारीफ भी की थी। अपने बयान में एरिक ने कहा था कि हमें नहीं पता की भविष्य में क्या होने वाला है। लेकिन मैं अपने साथी अमेरिकियों से कहूंगा कि हम ज्यादा से ज्यादा भारतीयों से ज्यादा से ज्यादा तरीकों से संपर्क बनाएं। वो उतना अच्छा होगा। उन्होंने कहा कि नफरत करने वालों को गलत साबित करते हुए हम ट्वीट करने की बजाए मिले। प्रदर्शन करने के बजाए निवेश करें। आपत्ति जताने की बजाए कनेक्ट करें। अमेरिका में राष्ट्रपति बदलने के बाद बड़े पैमाने पर दुनियाभर में राजदूतों के बदलने का सिलसिला भी शुरू हो जाता है। दुनिया के अलग अलग देशों में भारतीय राजूदत ज्यादातर भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी होते हैं। लेकिन सरकार जरूरत के हिसाब से दूसरे सेवा के अधिकारियों या राजनेताओं को भी राजदूत के तौर पर नियुक्त कर सकती है। इसके लिए प्रधानमंत्री की सलाह पर राष्ट्रपति राजदूत की नियुक्ति को मंजूरी देते हैं। इसी तरह अमेरिका में भी ये अधिकार राष्ट्रपति के पास ही होता है। ये एक राजनीतिक पद है, इसलिए सरकार बदलते ही अमेरिकी राजदूतों के बदलने का सिलसिला भी शुरू हो जाता है। किसी भी देश के राजदूत के उम्मीदवार का चयन अमेरिकी राष्ट्रपति करते हैं। इसमें ध्यान रखा जाता है कि व्यक्ति को राजनयिक या विदेशी संबंधों का अनुभव हो। इसके बाद सीनेट उस नाम पर विश्लेषण करता है और अपनी अंतिम मुहर लगाता है और फिर शपथग्रहण हो जाता है।

पोप फ्रांसिस महीने में दूसरी बार हुए चोटिल, हाथ में लगी चोट

पोप फ्रांसिस गिर गये और उनकी बांह में चोट आई है। वेटिकन ने एक बयान में यह जानकारी दी। इस घटना से पहले सात दिसंबर को भी पोप को ठुड्डी में चोट आई थी। वेटिकन के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि फ्रांसिस की बांह में फ्रैक्चर नहीं हुआ है, लेकिन एहतियात के तौर पर उन्हें एक 'स्लिंग' पहनने की सलाह दी गई है। फ्रांसिस(88) स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ

रहे हैं और अक्सर व्हीलचेयर का सहारा लेते हैं। यह घटना 7 दिसंबर की पिछली घटना के बाद की है, जब पोप फ्रांसिस ने कथित तौर पर अपने नाइटस्टैंड पर अपनी ठुड्डी पर प्रहार किया था, जिसके परिणामस्वरूप एक चोट दिखाई दे रही थी। इन घटनाओं के बावजूद, वेटिकन ने आश्वासन दिया कि पोप स्थिर स्थिति में हैं और अपने कर्तव्यों को जारी रखेंगे। पोप फ्रांसिस, जो पिछले महीने 88 वर्ष के हो गए, हाल के वर्षों में विभिन्न स्वास्थ्य चुनौतियों से जूझ रहे हैं। घुटने और पीठ के दर्द के कारण वह अक्सर छड़ी या व्हीलचेयर का उपयोग करते हैं और उन्हें बार–बार इन्फ्लूएंजा के हमलों का सामना करना पड़ा है। विशेष रूप से, 2021 में डायवर्टीकुलिटिस के लिए और फिर 2023 में हर्निया की मरम्मत के लिए उनकी सर्जरी हुई। अपने स्वास्थ्य के बारे में चिंताओं को संबोधित करते हुए पोप फ्रांसिस ने हाल ही में उनकी भलाई और इस्तीफे की संभावना के बारे में अटकलों को कम कर दिया। पोप ने कॉन्क्लेव को लेकर चल रही अफवाहों पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि जब भी कोई पोप बीमार होता है, तो कॉन्क्लेव की हवाएं हमेशा ऐसी लगती हैं जैसे वे बह रही हों। वास्तविकता यह है कि सर्जरी के दिनों के दौरान भी मैंने कभी इस्तीफा देने के बारे में नहीं सोचा था।

स्पेन जाते समय नौका पलटने से 40 से अधिक पाकिस्तानी नागरिकों के डूबने की आशंका

स्पेन जाने की कोशिश कर रहे 80 प्रवासियों को ले जा रही एक नौका मोरक्को के पास पलट गई, जिसमें 40 से अधिक पाकिस्तानियों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। प्रवासी अधिकार समूह 'वॉकिंग बॉर्डर्स' ने कहा कि 50 से ज्यादा प्रवासियों के डूबने की आशंका है। मोरक्को के अधिकारियों ने एक दिन पहले एक नौका से 36 लोगों को बचाया था, जो दो जनवरी को मॉरिटेनिया से 86 प्रवासियों को लेकर रवाना हुई थी। इन प्रवासियों में 66 पाकिस्तानी भी शामिल थे। 'वॉकिंग बॉर्डर्स' की मुख्य कार्य अधिकारी (सीईओ) हेलेना मालेनो ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बताया कि डूबने वालों में से 44 पाकिस्तान के थे।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर. 9190052 39332

.919450482227

अमेरिका की पहली महिला रहीं मिशेल ओबामा से पूरी दुनिया सीख सकती हैं जिंदगी के सबक

अमेरिका की सिविल राइट्स एक्टिविस्ट नीना सिमोन ने एक बार यूनिवर्सिटी ऑफ मेसाच्युसेट्स में अश्वेतों के मान सम्मान और जन अधिकारों के लिए रैली करते हुए अश्वेतों की तरह युवा और प्रतिभाशाली होने का नारा दिया था। उनसे लगभग हजार मील दूर 6 साल की मिशेल ओबामा अपना बचपन जी रही थीं। उस समय इस बात का शायद ही उन्हें इल्म रहा हो कि एक दिन वह पहली अफ्रीकी–अमेरिकी लेडी ऑफ यूएसए बनेंगी। पूरी दुनिया की लड़कियों के लिए रोल मॉडल और इंस्पिरेशन बनीं मिशेल को भी रंगभेद और लैंगिक असमानता का सामना करना पड़ा, लेकिन वह पूरे उत्साह के साथ आगे बढ़ती रहीं। इलिनोइस के डीयंग में मिशेल रॉबिन्सन ओबामा का जन्म 17 जनवरी, 1964 को हुआ था। उनके माता–पिता फ्रेज़ियर रॉबिन्सन

।। और मेरियन शील्ड्स थे। मिशेल अपने बड़े भाई क्रेग के साथ शिकागो के साउथ शोर इलाके में पली–बढ़ीं, शिकागो पब्लिक स्कूल में पढ़ाई की और जल्द ही प्राथमिक विद्यालय में प्रतिभाशाली कक्षाओं में शामिल हो गईं। अमेरिका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति बराक ओबामा की पत्नि मिशेल साउथ शिकागो की एक माइग्रेंट फैमिली से थीं। वे ऐसे माहौल में पली–बढ़ीं, जब जन अधिकार मूवमेंट और जेंडर इक्वालिटी समाज के ज्वलंत मुद्दे थे। अश्वेत महिला के तौर पर मिशेल को टैलेंटेड, हार्ड वर्किंग और एंबिशस होने के बावजूद कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा। लेकिन उन्होंने कभी उम्मीद का दामन नहीं छोड़ा। शुरुआत में ला में अपना करियर बनाने के बाद मिशेल जनसेवा के लिए सिटी एडमिनिस्ट्रेटर बन गईं और इसके बाद कम्यूनिटी आउटरीच वर्कर। आज के समय में उनकी जिंदगी संघर्ष और उत्कृष्टता का बेजोड़ उदाहरण है। उन्होंने 1981 में शिकागो के पहले मैग्नेट हाई स्कूल व्हिटनी यंग हाई स्कूल से क्लास सैल्यूटेरियन के रूप में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। उन्होंने अपने भाई के साथ न्यू जर्सी में प्रिंसटन विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया, जहाँ उन्होंने 1985 में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। उन्होंने समाजशास्त्र में स्नातक की डिग्री प्राप्त की। जिसमें अफ्रीकी–अमेरिकी अध्ययन में एक माइनर था, जिसने उनकी वरिष्ठ थीसिस को सूचित किया ष्प्रिंसटन–शिक्षित अश्वेत और अश्वेत समुदाय।ष 1988 में ओबामा ने हार्वर्ड लॉ स्कूल से कानून की डिग्री प्राप्त की। जहाँ उन्होंने मनोरंजन कानून में विशेषज्ञता हासिल की और अंततः उन्हें समर एसोसिएट बराक ओबामा के सलाहकार के रूप में नियुक्त किया गया। मिशेल रॉबिन्सन और बराक ओबामा की शादी 1992 में शिकागो के ट्रिनिटी यूनाइटेड चर्च ऑफ क्राइस्ट में हुई थी। उनकी दो बेटियाँ हैं, मालिया और नताशा "साशा।" उन्होंने 1996 में शिकागो विश्वविद्यालय में एसोसिएट डीन ऑफ स्टूडेंट्स का पद स्वीकार किया, जहाँ उन्होंने विश्वविद्यालय सामुदायिक छात्र केंद्र की निदेशक के रूप में भी काम किया। 2002 में, वह शिकागो विश्वविद्यालय अस्पताल की सामुदायिक मामलों की निदेशक बनीं, और 2005 में उन्हें बाहरी मामलों और सामुदायिक संबंधों के उपाध्यक्ष के रूप में पदोन्नत किया गया। 2008 के डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन में ओबामा का परिचय उनके भाई क्रेग रॉबिन्सन ने कराया और उन्होंने कन्वेंशन को संबोधित किया।

इमरान खान को 14 और पत्नी बुशरा को हुई 7 साल की सजा

अलकादिर ट्रस्ट मामले में कोर्ट ने सुनाया फैसला

संघीय राजधानी की एक जवाबदेही अदालत ने पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को 190 मिलियन पाउंड के मामले में दोषी ठहराया। जवाबदेही अदालत के न्यायाधीश नासिर जावेद राणा ने पीटीआई संस्थापक को 14 साल की सजा और उनकी पत्नी को सात साल की सजा सुनाई, साथ ही उन पर भारी जुर्माना भी लगाया। पीटीआई के संस्थापक को 10 लाख रुपये का जुर्माना देना होगा और उनकी पत्नी पर 05 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। जुर्माना न भरने की स्थिति में पूर्व प्रधानमंत्री को छह महीने और बुशरा को तीन महीने की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। अभियोजक जनरल सरदार मुजफ्फर अब्बासी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) की टीम न्यायाधीश नासिर जावेद राणा द्वारा बहुप्रतीक्षित फैसले

की घोषणा में शामिल होने के लिए अदियाला जेल में मौजूद थी। जेल में पीटीआई संस्थापक की पत्नी, बैरिस्टर गोहर खान, शोएब शाहीन, सलमान अकरम राजा और अन्य वकील भी मौजूद थे। फैसले की घोषणा के बाद बुशरा को हिरासत में ले लिया गया, सूत्रों ने कहा कि अडियाला जेल में उनकी कोठरी पहले से ही तैयार थी। पीटीआई के संस्थापक को 10 लाख रुपये का जुर्माना देना होगा और उनकी पत्नी पर 05 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। जुर्माना न भरने की स्थिति में पूर्व प्रधानमंत्री को छह महीने और बुशरा को तीन महीने की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। फैसले के अनुसार, पूर्व प्रधान मंत्री खान को ष्भ्रष्ट आचरणष और ष्सत्ता के दुरुपयोगष के लिए दोषी ठहराया गया है, जबकि प्रथम महिला को ष्अवैध गतिविधियों में शामिल होनेष के लिए दोषी ठहराया गया है। न्यायाधीश ने अधिकारियों को अल–कादिर ट्रस्ट विश्वविद्यालय को संघीय सरकार की हिरासत में देने का निर्देश दिया।

बिलावल भुट्टो को ट्रंप ने व्यक्तिगत रूप से अपने शपथग्रहण में बुलाया? पाकिस्तान को अमेरिका से मिले 2–2 इनविटेशन

ट्रंप ने अपने शपथग्रहण समारोह के लिए दुनियाभर से कई नेताओं को न्यौता भेजा है। अपने कूटनीति का विस्तार करते और विदेश नीति का उदाहरण देते हुए अमेरिका ने उन देशों को भी न्यौता भेजा जिनके साथ उनके संबंध अच्छे नहीं हैं और उन्हें भी भेजा जिनके साथ ट्रंप के खास संबंध हैं। इसमें भारत, अर्जेंटीना और इटली कानाम सबसे ऊपर आता है। लेकिन जिन देशों के साथ अमेरिका की अच्छी साझेदारी नहीं हैं। ट्रंप ने उन देशों को

भी न्यौता भेज कर सबको चौंका दिया है। इसमें चीन और रूस का नाम भी शामिल है। चीन–रूस के साथ साथ पाकिस्तान को भी न्यौता भेजा गया है। लेकिन पाकिस्तान की तरफ से इस शपथग्रहण समारोह में कोई बड़ा चेहरा आपको नजर नहीं आएगा। दरअसल, पाकिस्तान ने वाशिंगटन में अपने राजदूत रिजवान सईद शेख को 20 जनवरी को डोनाल्ड ट्रंप के शपथग्रहण समारोह में पाकिस्तान सरकार का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना है। एक न्यौता पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी को भी भेजा गया है।

बिलावल भुट्टो जरदारी को भी 20 जनवरी को अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथग्रहण समारोह में व्यक्तिगत रूप से आमंत्रित किया गया है। हालांकि ये खबर अभी तक केवल पाकिस्तानी मीडिया में सूत्रों के हवाले से ही छप रही है। यानी ये खबर झूठी भी हो सकती है। पाकिस्तानी मीडिया जियो न्यूज की तरफ से अपनी रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पाकिस्तान पीपल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो–जरदारी को 20 जनवरी को अमेरिकी राष्ट्रपति–चुनाव डोनाल्ड ट्रम्प के शपथ ग्रहण समारोह में व्यक्तिगत रूप से आमंत्रित किया गया है। पीपीपी अध्यक्ष आने वाले दिनों में नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रम्प के उद्घाटन समारोह में भाग लेने के लिए वाशिंगटन के लिए प्रस्थान करेंगे। लेकिन अगर बिलावल भुट्टो को ये न्यौता भेजा गया है तो ये अपने आप में बड़ी बात है। हालांकि आपको बता दें कि इससे पहले 2017 में भी डोनाल्ड ट्रंप ने आसिफ अली जरदारी को अपने शपथग्रहण समारोह के लिए न्यौता दिया था। अब हो सकता है कि बिलावल भुट्टो को भी ये न्यौता भेजा गया है। हालांकि अब तक बिलावल भुट्टो की तरफ से इसे कंन्फर्म नहीं किया गया है। पीपीपी अध्यक्ष राष्ट्रपति ट्रंप के शपथग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए अगले कुछ दिन में वाशिंगटन जाएंगे या नहीं ये तो आने वाले वक्त में ही पता चलेगा। लेकिन अमेरिका के नवर्विचाति राष्ट्रपति ने वाशिंगटन में अपने शपथग्रहण समारोह के लिए पाकिस्तान सरकार को भी न्यौता भेजा है। पाकिस्तान सरकार की तरफ से वाशिंगटन में नियुक्त राजदूत रिजवान सईद शेख 20 जनवरी को पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करने वाले हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो

शरद कुमार श्रीवास्तव

7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने में अमेरिका–भारत साझेदारी अहम : व्हाइट हाउस

वाशिंगटन,एजेंसी। व्हाइट हाउस के एक शीर्ष भारतीय–अमेरिकी अधिकारी ने कहा है कि वैश्विक चुनौतियों, खासकर सार्वजनिक स्वास्थ्य और दवा नवाचार के क्षेत्र में चुनौतियों का समाधान करने के लिए अमेरिका–भारत साझेदारी महत्वपूर्ण है। 'ऑफिस ऑफ नेशनल ड्रग कंट्रोल पॉलिसी' (ओएनडीसीपी) के निदेशक डॉ. राहुल गुप्ता ने कहा कि दुनिया की सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए यह महत्वपूर्ण है कि दोनों देश सभी क्षेत्रों में अपनी साझेदारी बनाए रखें और उसे आगे बढ़ाएं। अमेरिका के बाइडन प्रशासन में शीर्ष स्तर के भारतीय अमेरिकी अधिकारी गुप्ता ने कहा, ''क्योंकि जब हमारे पास एक अमेरिका और एक भारत है, जो दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए एक साथ आगे बढ़ रहे हैं, तो यह एकमात्र तरीका है जिससे हम दुनिया की समस्या को हल करने में सक्षम होंगे, क्योंकि यह वास्तव में वह जगह है जहां पूर्व पश्चिम से मिलता है।'' उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा, ''यह संबंध न केवल दोनों देशों को बल्कि विश्व के महाद्वीपों को भी एक–दूसरे के करीब आने, एक–दूसरे को समझने और अंततः विश्व की सबसे गंभीर समस्याओं को एक इकाई के रूप में मिलकर हल करने का अवसर देता है।''

बाइडन प्रशासन के शीर्ष स्वास्थ्य अधिकारी की हैसियत से, डॉ गुप्ता ने अमेरिका में ओपियोइड संकट से सफलतापूर्वक लड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ओपिओइड संकट से तात्पर्य 1990 के दशक से ओपिओइड के अत्यधिक उपयोग, दुरुपयोग और ओवरडोज से होने वाली मौतों में तेज़ी से हुई वृद्धि से है। इसमें प्रिस्क्रिप्शन ओपिओइड और ऐसे ओपिओइड दोनों शामिल हैं जिनका लोग उपयोग करते हैं। ओपिओइड का एक मुख्य कार्य बेहोशी और दर्द से राहत प्रदान करना है और इनका उपयोग हज़ारों वर्षों से दर्द से राहत के लिए किया जाता रहा है। ओपिओइड अनिवार्य रूप से रसायन होते हैं जो मस्तिष्क और केंद्रीय तंत्रिका तंत्र और जठरांत्र संबंधी मार्ग में मौजूद ओपिओइड रिसेप्टर्स से जुड़कर उनके प्रभावों को उत्तेजित करते हैं। डॉ गुप्ता ने ओपिओइड संकट के मुद्दे पर चीन के साथ अमेरिका के समझौते पर पहुंचने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जिसमें चीन ने अमेरिका में मादक पदार्थों की तस्करी के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने पर सहमति जतायी थी। गुप्ता ने कहा कि भारत के साथ अमेरिका दोनों देशों के बीच अब तक स्थापित सबसे अग्रणी दवा नीति तैयार करना चाहता है। उन्होंने कहा कि इस सहयोग के तीन स्तंभ हैं। उन्होंने कहा कि पहला स्तंभ नशीली दवाओं के खिलाफ सहयोग है, जबकि सार्वजनिक स्वास्थ्य दूसरी प्राथमिकता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि दोनों देशों में की गई प्रगति का समर्थन किया जाए और एक दूसरे के साथ साझा किया जाए। उन्होंने कहा कि तीसरा स्तंभ भविष्य के दवा उत्पादनों के लिए आपूर्ति श्रृंखला विकसित करना है।

संस्थापक

स्व.कन्हैया लाल

स्व.श्रीमती साधना

सम्पादक

उमेश चंद्र श्रीवास्तव

प्रबन्ध सम्पादक

अरविन्द पाण्डेय

संयुक्त सम्पादक

अनंत श्रीवास्तव

संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)

केशव श्रीवास्तव

विधि सलाहकार

कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक

उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.

यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।